RNI NO. PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

40 की उम्र में आना बहुत अजीब है: प्रियंका चोपड़ा

पेज 07

VOL: 03 | ISSUE 207 | THURSDAY DATE 20-08-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

जापान की तकनीक और यूपी के स्केल का मेल बनेगा विकास का नया मॉडल : योगी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 अगस्त**

उत्तर प्रदेश को निवेश और औद्योगिक विकास का नया केंद्र बताते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि जापान की प्रिसिजन, गुणवत्ता, तकनीक और विनिर्माण उत्कृष्टता तथा उत्तर प्रदेश के स्केल, कौशल, बाजार और मजबूत बुनियादी ढांचे का मेल दोनों देशों के बीच औद्योगिक साझेदारी को नई ऊंचाई दे सकता है।

उन्होंने कहा कि भारत-जापान साझेदारी अब केवल निवेश तक सीमित नहीं, बल्कि साझा विकास, साझा तकनीक और साझा समृद्धि की साझेदारी है। नई दिल्ली में आयोजित उत्तर प्रदेश-जापान निवेश सम्मेलन-2026 को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने जापानी उद्योग जगत को उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में स्पष्ट नीति, साफ नीयत और दृढ़ संकल्प के साथ उत्तर प्रदेश निरंतर सुधार की दिशा में आगे बढ़ रहा है और

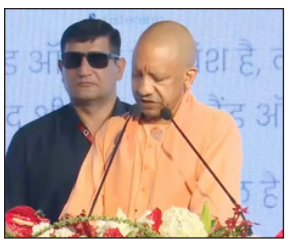

आज देश की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होकर भारत के विकास का ग्रोथ इंजन बन रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए सुरक्षा, स्थिरता और गति का माहौल तैयार किया गया है। पिछले 9 वर्षों में प्रदेश के बजट, सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) और प्रति व्यक्ति आय में करीब तीन गुना वृद्धि हुई है।

इसी अवधि में महिला श्रमबल भागीदारी में भी तीन गुना से अधिक बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य की ओर मजबूती से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पास मजबूत बुनियादी ढांचा, बेहतर लॉजिस्टिक्स, प्रतिस्पर्धी औद्योगिक लागत और सुशासन का लाभ है। मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक नेटवर्क, औद्योगिक गलियारों के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र का लगातार विस्तार किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में देश के कुल एक्सप्रेसवे नेटवर्क का करीब 60 प्रतिशत हिस्सा है। प्रदेश में 17 हवाई अड्डे, देश का सबसे बड़ा रेल नेटवर्क, सात शहरों में मेट्रो नेटवर्क, देश की पहली रैपिड रेल और दो समर्पित माल गलियारे मौजूद हैं।

संक्षिप्त खबरें

सफल एंजियोप्लास्टी के बाद एम्स से डिस्चार्ज हुए केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा

दिल्ली, यूटर्न/ 19 अगस्त। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा को सफल एंजियोप्लास्टी के बाद बुधवार को दिल्ली एम्स से छुट्टी दे दी गई है। 13 अगस्त की शाम बेचैनी की शिकायत के बाद केंद्रीय मंत्री को दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया था। भर्ती के बाद डॉक्टरों ने उनकी जांच की और कोरोनरी एंजियोग्राफी से जुड़े मेडिकल टेस्ट भी किए थे। एम्स की डॉ. रीमा दादा के मुताबिक, बेचैनी के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया था। एंजियोग्राफी के बाद उन्हें कार्डियोलॉजी विभाग में रखा गया और उनका स्वास्थ्य स्थिर बताया गया था। 14 अगस्त को अस्पताल ने बयान जारी कर बताया था कि मंत्री का स्वास्थ्य स्थिर है। इसके बाद 17 अगस्त को उनकी एंजियोप्लास्टी की गई।

सरकारी ठेकों में छोटे कारोबारियों और छोटे उद्योगों को मिलेगी सहायता

नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 अगस्त । सरकारी ठेकों में छोटे कारोबारियों और छोटे उद्योगों को बड़ी राहत देने की तैयारी है। केंद्र सरकार सरकारी टेंडर में परफॉर्मेंस बैंक गारंटी और अमानत राशि की अनिवार्यता को कम करने पर विचार कर रही है। इसका उद्देश्य छोटे कारोबारियों पर आर्थिक बोझ घटाना और उन्हें सरकारी कामों में ज्यादा अवसर देना है। मौजूदा व्यवस्था में ठेका मिलने के बाद कारोबारियों को अपनी रकम का एक हिस्सा बैंक गारंटी के तौर पर रखना पड़ता है। इससे छोटे कारोबारियों की कार्यशील पूंजी प्रभावित होती है। प्रस्ताव पर एमएसएमई मंत्रालय और उद्योग संवर्धन विभाग के बीच चर्चा चल रही है। माना जा रहा है कि नियमों में बदलाव होने से छोटे उद्योगों को कारोबार बढ़ाने में मदद मिलेगी और सरकारी ठेकों में उनकी भागीदारी भी बढ़ सकती है। सरकार का जोर छोटे कारोबारियों के लिए प्रक्रिया आसान बनाने पर है।

रक्षा संबंधों को मजबूत करने और ह्यमेक इन इंडियाह्न पहल पर भारत और जापान के बीच होगी वार्ता

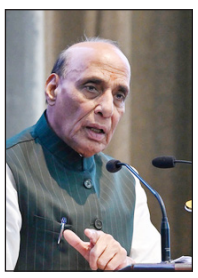

नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 अगस्त । जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी बुधवार को भारत पहुंचे हैं। यहां अपनी आधिकारिक यात्रा के पहले दिन जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने 19 अगस्त को मुंबई स्थित पश्चिमी नौसेना कमान का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन और पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल संजय वत्सायन के साथ बातचीत की। इसके बाद अब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 20 अगस्त को नई दिल्ली में जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। गौरतलब है जापानी रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी की यह पहली भारत यात्रा है। दोनों नेताओं की बैठक में भारत-जापान रक्षा संबंधों को और मजबूत करने, रणनीतिक विश्वास बढ़ाने तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सुरक्षा को बढ़ावा देने के उपायों पर व्यापक चर्चा होने की संभावना है। बैठक के दौरान दोनों रक्षा मंत्री समुद्री सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने तथा ह्यमेक इन इंडियाह्न के तहत रक्षा उपकरणों और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर विचार-विमर्श करेंगे।

पेपर लीक और सीवान फायरिंग के विरोध में राजभवन तक मार्च करेंगे तेजस्वी यादव

पटना, यूटर्न/ 19 अगस्त : बिहार में विपक्ष के नेता और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि उनकी पार्टी बुधवार को राजभवन तक मार्च करेगी ताकि राज्य सरकार पर दबाव बनाया जा सके और पेपर लीक के खिलाफ छात्रों और युवाओं की शिकायतों को उठाया जा सके। तेजस्वी यादव ने राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर राज्य सरकार पर हमला बोला और दावा किया कि पेपर लीक और अनियमितताओं की एक शृंखला के कारण प्रतियोगी परीक्षाएं प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने पिछले महीने सीवान में पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस द्वारा कथित तौर पर एके-47 से गोलियां चलाने और उसे प्रदर्शित करने के मामले में राज्य सरकार से जवाब भी मांगा। तेजस्वी ने कहा कि बार-बार पेपर लीक होने की घटनाओं के कारण बिहार की छवि खराब हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में विभिन्न परीक्षाओं में, जिनमें मैट्रिक और इंटरमीडिएट परीक्षा से लेकर भर्ती परीक्षाएं शामिल हैं, पेपर लीक होने की शिकायतें सामने आई हैं। सीवान की घटना का जिक्र करते हुए तेजस्वी ने दावा किया कि जब छात्र अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे थे, तब राज्य सरकार ने उनकी बात सुनने के बजाय एके-47 बंदूक से गोलियां चलाना बेहतर समझा। उन्होंने जानना चाहा कि प्रदर्शनकारी छात्रों पर गोली चलाने का आदेश किसने दिया था। उन्होंने कहा कि इस मामले को बिहार के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) विनय कुमार के समक्ष उठाया गया है और उनसे यह पूछा गया है कि राज्य सरकार जवाबदेही तय करने में क्यों विफल रही।

दिल्ली में दौड़ीं 200 नई ई-बसें

» **नयी दिल्ली, यूटर्न/ 19 अगस्त ।**

दिल्ली के सार्वजनिक परिवहन को पर्यावरण अनुकूल और सुरक्षित बनाने की दिशा में बुधवार को बड़ा कदम उठाया गया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने दिल्ली विश्वविद्यालय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स से 200 नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

नई बसों के शामिल होने के साथ दिल्ली में इलेक्ट्रिक बसों का बेड़ा 5 हजार के पार पहुंच गया है। कार्यक्रम के दौरान दिल्ली-करनाल अंतरराज्यीय ई-बस सेवा, महिलाओं के लिए 56 लेडीज स्पेशल इलेक्ट्रिक बस सेवाओं और राजघाट डिपो-1 में सार्वजनिक ईवी चार्जिंग स्टेशन की भी शुरूआत की गई। सरकार का कहना है कि इन पहलों से सार्वजनिक परिवहन को अधिक स्वच्छ, सुविधाजनक और सुरक्षित बनाने में मदद मिलेगी।

200 नई बसों में 88 बड़ी और 112 छोटी ई-बसें

नई 200 इलेक्ट्रिक बसों में 12 मीटर लंबी 88 बसें और 9 मीटर लंबी 112 बसें शामिल हैं। ये लो-फ्लोर और वातानुकूलित बसें हैं। नई बसों के शामिल होने के बाद दिल्ली के कुल सार्वजनिक बस बेड़े की संख्या करीब 6,800 हो गई है।

सरकार ने वित्त वर्ष 2028-29 तक दिल्ली के बस बेड़े को करीब 14 हजार बसों तक बढ़ाने और डीटीसी की बसों को इलेक्ट्रिक में बदलने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इलेक्ट्रिक बसों का विस्तार केवल बसों की संख्या बढ़ाना नहीं है, बल्कि प्रदूषण कम करने और दिल्लीवासियों को बेहतर सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

महिलाओं के लिए 56 लेडीज स्पेशल ई-बस सेवाएं

नई पहल में महिलाओं और छात्राओं के लिए विशेष बस सेवा सबसे अहम है। कुल 56 लेडीज स्पेशल ई-बस सेवाएं शुरू की गई हैं। इनमें ज्यादा मांग वाले 15 मार्गों पर 30 लेडीज स्पेशल ट्रिप और 13 मार्गों पर 26 यूनिवर्सिटी लेडीज स्पेशल ट्रिप शामिल हैं। इन सेवाओं से नेहरू प्लेस, एम्स, साउथ एक्सटेंशन, आरके पुरम, कनॉट प्लेस, आईटीओ, दिल्ली सचिवालय, करोल बाग, कश्मीरी गेट और शिवाजी स्टेडियम जैसे प्रमुख क्षेत्रों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। वहीं छात्राओं के लिए हिंदू कॉलेज, रामजस कॉलेज, दौलतराम कॉलेज, श्रीराम कॉलेज, लेडी श्रीराम कॉलेज, गार्गी कॉलेज और हंसराज कॉलेज समेत दिल्ली विश्वविद्यालय के कई प्रमुख संस्थानों तक विशेष बस सेवा उपलब्ध होगी।

धन-संपत्ति, बुद्धि और वाणी से सदैव परोपकार एवं कल्याणकारी कर्म ही करें: मोदी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 अगस्त ।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर सुभाषित शेयर किया। जिसमें उन्होंने संदेश दिया कि सदैव परोपकार एवं कल्याणकारी कर्म ही करें।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, ह्यएतावज्जन्मसाफल्यं देहिनामिह देहिषु। प्राणैरर्थैर्धिया वाचा श्रेय एवाचरेत्सदा॥ह्न इस संस्कृत श्लोक का अर्थ है, ह्यइस संसार में मनुष्यों के जन्म की पूर्ण सार्थकता इसी में निहित है कि वे अन्य प्राणियों के प्रति अपने शारीरिक सामर्थ्य, धन-संपत्ति, बुद्धि तथा वाणी के माध्यम से सदैव परोपकार एवं कल्याणकारी कर्मों का ही सम्पादन करें॥ह्न

प्रधानमंत्री ने मंगलवार को एक्स पर ह्यउद्यच्छेदेव न नमेदुद्यमो ह्येव पौरुषम। अप्यपर्वणि भज्येत न नमत्वेव कस्यचित॥ह्न

श्लोक साझा किया था। इस श्लोक का हिंदी अर्थ है कि मनुष्य को सदैव आत्मसम्मान, साहस और स्वाभिमान के साथ जीवन जीना चाहिए। सच्चा पुरुषार्थ और पराक्रम इसी में है कि व्यक्ति किसी भी परिस्थिति में अपने सिद्धांतों और मूल्यों से समझौता न करे, बल्कि सत्य, धैर्य और आत्मगौरव के साथ अपने आदर्शों पर दृढ़ रहे। सोमवार को प्रधानमंत्री की ओर से सुभाषित शेयर करते हुए लिखा गया था, ह्यसामूहिक संकल्प और एकता की शक्ति से ही देश आगे बढ़ता है।

शाह के कहने पर हुई सत्येंद्र की गिरफ्तारी : केजरीवाल

» **नयी दिल्ली, यूटर्न/ 19 अगस्त ।**

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की गिरफ्तारी को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर गंभीर आरोप लगाये हैं। श्री केजरीवाल ने बुधवार को एक्स पर दावा किया कि सुबह तक भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) की ओर से सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार करने की कोई योजना नहीं थी, लेकिन दोपहर में श्री शाह की ओर से कथित तौर पर सीधे फोन आने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने दावा किया कि एक एसीबी अधिकारी ने बताया कि सुबह तक सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार करने की कोई योजना नहीं थी। फिर दोपहर में श्री शाह का

सीधे फोन आया और कहा गया- ह्यउन्हें गिरफ्तार करो।ह्न इसके बाद ही गिरफ्तारी की गयी।ह्न उन्होंने आरोप लगाया कि जांच एजेंसी पर दबाव डालकर जैन की गिरफ्तारी करायी गयी। उन्होंने श्री शाह से कथित दबाव को लेकर स्पष्टीकरण देने की मांग भी की।

उन्होंने कहा , ह्न गिरफ्तारी तब की जाती है जब पुलिस को उस व्यक्ति से पूछताछ और जांच करनी हो।

संक्षिप्त खबरें

घर में घुसकर धारदार हथियार से हमला, घायल

लोनी, यूटर्न/ 19 अगस्त । ऋषि मार्केट कॉलोनी में विवाद के बाद पड़ोसियों ने घर में घुसकर युवक पर धारदार हथियार से हमला कर घायल कर दिया। मामले की शिकायत लोनी थाना पुलिस से की गई है। बैंड संचालक दीपक के भाई सुंदर ने बताया कि 16 अगस्त को पड़ोसी की ढोल की दुकान पर एक व्यक्ति बुक कराने आया। पड़ोसी की दुकान पर सौदा नहीं होने पर व्यक्ति उनके भाई दीपक की दुकान पर आया। ग्राहक के जाने के बाद पड़ोसी ने दीपक से झगड़ा किया। आसपास के लोगों ने दोनों को शांत कराया। कुछ देर बाद पड़ोसी पांच लोगों के साथ लाठी डंडे व धारदार हथियार लेकर दीपक के घर पर पहुंचकर हमला किया। एसीपी लोनी राम किशन ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

ट्रांस हिंडन में खस्ताहाल पेयजल लाइन, घरों में आ रहा गंदा पानी

साहिबाबाद, यूटर्न/ 19 अगस्त । वैशाली सेक्टर-दो के मुख्य मार्ग पर गड्ढा भरने के दौरान नगर निगम कर्मचारियों से पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त होने पर क्षेत्र में पानी का दबाव कम हो गया। साथ ही घरों में गंदा पानी पहुंचा और 10 हजार से अधिक लोगों के सामने पेयजल संकट खड़ा हो गया। लोगों को मजबूरी में बोतलबंद पानी खरीदकर काम चलाना पड़ा।

पूर्व पार्षद मनोज गोयल ने बताया कि मुख्य मार्ग पर गड्ढा होने की शिकायत के बाद नगर निगम की टीम उसे भरने पहुंची थी। काम के दौरान पेयजल लाइन का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद सोमवार शाम क्षेत्र में पानी की आपूर्ति प्रभावित रही। मंगलवार सुबह आपूर्ति शुरू हुई तो पानी में मिट्टी मिली हुई थी। गंदे पानी के कारण लोगों को घरेलू इस्तेमाल के लिए भी परेशानी का सामना करना पड़ा। ट्रांस हिंडन के अन्य इलाकों में भी क्षतिग्रस्त पेयजल लाइनों के कारण लोग कई दिनों से दूषित पानी की समस्या झेल रहे हैं। वसुंधरा निवासी सचिन कुमार ने बताया कि सेक्टर-छह में स्वर्ण गंगा अपार्टमेंट के पास पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त होने से दिनभर सड़क पर पानी बह रहा है। उधर, अर्थला करीब एक सप्ताह से शिकायत की जा रही है, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। वसुंधरा, इंदिरापुरम, वैशाली, अर्थला और भोपुरा के कई हिस्सों में लोग पेयजल संबंधी दिक्कतों से परेशान हैं। मामले संज्ञान में है और जल्द ही क्षतिग्रस्त पेयजल लाइनों को ठीक कराकर आपूर्ति को बेहतर किया जाएगा। -- केपी आनंद, महाप्रबंधक, जलकल विभाग

5 रुपये में भरपेट भोजन, दिल्ली में खुली नई अटल कैंटीन

» दिल्ली, यूटर्न/ 19 अगस्त ।

दिल्ली सरकार ने जरूरतमंद और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को सस्ता एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने की दिशा में एक और कदम बढ़ाया है। जनकपुरी विधानसभा क्षेत्र की जेजे कॉलोनी, ओल्ड पंखा रोड स्थित मदर डेयरी के सामने नई ह्यअटल कैंटीनह्ल शुरू की गई है। यहां जरूरतमंदों को महज 5 रुपये में पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाएगा।

दिल्ली के शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने बुधवार को नई अटल कैंटीन जनता को समर्पित की। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि आर्थिक तंगी के कारण कोई भी व्यक्ति पौष्टिक भोजन से वंचित न रहे। कैंटीन में भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और पोषण का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। मंत्री ने कहा कि अटल कैंटीन केवल गरीबों को सस्ता भोजन उपलब्ध कराने की योजना नहीं है, बल्कि दिनभर मेहनत-मजदूरी करने वाले लोगों के लिए भी बड़ी राहत है। ऐसे कई लोग हैं जिन्हें काम के दौरान घर जाकर खाना बनाने का समय नहीं मिल पाता। उनके लिए कम कीमत पर उपलब्ध पौष्टिक भोजन उपयोगी साबित होगा। आशीष सूद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार जनकल्याण की योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने पर जोर दे रही है। अटल कैंटीन योजना के तहत राजधानी के गरीब और जरूरतमंद लोगों को सम्मानजनक तरीके से भोजन उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि दो दिन पहले रविवार को दिल्ली में 15 नई अटल कैंटीन शुरू की गई थीं। अब जनकपुरी में एक और कैंटीन शुरू होने के साथ इस योजना का विस्तार जारी है। सरकार आने वाले दिनों में दिल्ली के विभिन्न इलाकों में और अटल कैंटीन खोलने की तैयारी कर रही है। मंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि गरीब, झुग्गी-बस्तियों और जेजे कॉलोनियों में रहने वाले जरूरतमंद लोगों तक सस्ता, स्वच्छ और पौष्टिक भोजन पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की कोशिश है कि राजधानी में कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति भूखे पेट न सोए।

एमसीडी के 4 नेता डीडीए सलाहकार परिषद की दौड़ में

» दिल्ली, यूटर्न/ 19 अगस्त ।

दिल्ली विकास प्राधिकरण की सलाहकार परिषद के सदस्य के रूप में दिल्ली नगर निगम के चार प्रतिनिधियों ने आज सिविक सेंटर स्थित निगम सचिव कार्यालय में नामांकन दाखिल किये गए। नामांकन दाखिल करने का आज अंतिम दिन था।

बीजेपी की तरफ से नीमा भगत, ज्योति अग्रवाल और आम आदमी पार्टी की तरफ से शिवानी पांचाल चित्रा विद्यार्थी ने नामांकन दाखिल किया। इस अवसर पर महापौर प्रवेश वाही, उप महापौर डॉ मोनिका पंत,नेता सदन जय भगवान यादव भी मौजूद रहे।

दिल्ली विकास प्राधिकरण की डीडीए सलाहकार परिषद के लिए दिल्ली नगर निगम के चार प्रतिनिधियों का निर्वाचन सोमवार, 24 अगस्त को होने वाली निगम की बैठक में किया जाएगा। प्रवेश वाही ने डीडीए की सलाहकार परिषद के लिए नामांकन दाखिल करने वाले पार्षदों को शुभकामनाएं दी।

उन्होंने कहा कि डीडीए दिल्ली के मास्टर प्लान 2047 पर कार्य कर रही है और मैं आशा करता हूं कि दिल्ली नगर निगम की तरफ से चुने गये सदस्य अपने बहुमूल्य सुझाव देकर मास्टर प्लान 2047 का सफल क्रियान्वयन कराने में सफल होंगे।

अंतर्राष्ट्रीय जाट धर्मशाला में ह्यद सात्विक कैफेह्ल एवं कुरुक्षेत्र तीर्थ दर्शन बस सेवा का शुभारंभ

» प्रमोद कौशिक

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 19 अगस्त । यात्रियों एवं आमजन की सुविधा में वृद्धि करते हुए आज अंतर्राष्ट्रीय जाट धर्मशाला, कुरुक्षेत्र में ह्यद सात्विक कैफेह्ल का शुभारंभ किया गया। कैफे का उद्घाटन डिप्टी सीएमओ डॉ. जगमेंद्र मलिक ने रिबन काटकर किया। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय जाट धर्मशाला के प्रधान डॉ. कृष्ण श्योकंद, कार्यकारिणी के सदस्य तथा समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

ह्यद सात्विक कैफेह्ल केवल भोजन उपलब्ध कराने का केंद्र नहीं, बल्कि शुद्ध, सात्विक एवं स्वास्थ्यवर्धक भोजन की अवधारणा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। कैफे में स्वाद और गुणवत्ता के साथ-साथ स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखा गया है। यहां कोलेस्ट्रॉल-फ्री पराठे, हार्ट-फ्रेंडली मिठाइयां, एनर्जेटिक छाछ, सात्विक भोजन, फास्ट फूड सहित विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थ उपलब्ध होंगे। कैफे की विशेषता यह होगी कि यहां भोजन तैयार करने में रिफाइंड तेल और सामान्य चीनी जैसे उत्पादों के स्थान पर शुद्ध कच्ची घानी के तेल एवं सेंधा नमक का प्रयोग किया जाएगा। इसके साथ ही देसी गाय का घी, कायाकल्प रसायन च्यवनप्राश तथा विभिन्न आयुर्वेदिक उत्पाद भी उपलब्ध रहेंगे। यात्रियों एवं ग्राहकों को किसान के खेत से सीधे प्राप्त ऑर्गेनिक चावल, गेहूं, हल्दी तथा अन्य कृषि उत्पाद खरीदने की सुविधा भी मिलेगी। इस अवसर पर धर्मशाला के प्रधान डॉ. कृष्ण श्योकंद ने कहा कि देश-विदेश तथा भारत के विभिन्न राज्यों से कुरुक्षेत्र आने वाले यात्रियों के लिए धर्मशाला में भंडारे के साथ-साथ अब ह्यद सात्विक कैफेह्ल के माध्यम से स्वच्छ, गुणवत्तापूर्ण और सात्विक भोजन की बेहतर व्यवस्था उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि धर्मशाला में आने वाले यात्रियों को एक ही परिसर में भोजन सहित विभिन्न आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाने का प्रयास किया जा रहा है।

कैबिनेट ने चार मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स को दी मंजूरी, कनेक्टिविटी को मिलेगा बढ़ावा : प्रधानमंत्री मोदी

» दिल्ली, यूटर्न/ 19 अगस्त ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने बुधवार को रेल मंत्रालय की लगभग 9,450 करोड़ रुपए की कुल लागत वाली चार परियोजनाओं को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ह्यएक्सह्ल पर जानकारी देते हुए बताया कि इससे आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी को बड़ा बढ़ावा मिलेगा।

पीएम मोदी ने कहा कि कैबिनेट ने चार मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है, जिससे भारतीय रेलवे नेटवर्क की क्षमता बढ़ेगी और लाखों लोगों को फायदा होगा। इन प्रोजेक्ट्स के कई फायदे होंगे, जैसे- यात्री और माल ढुलाई को मजबूत करना, भीड़-भाड़ कम करना, लॉजिस्टिक्स की बेहतर क्षमता और बेहतर कनेक्टिविटी, व्यापार और पर्यटन। इन परियोजनाओं में खड़गपुर-भद्रक (रानीताल) चौथी लाइन - 173 किमी (पश्चिम बंगाल और ओडिशा), भद्रक-हरिदासपुर चौथी लाइन - 75 किमी (ओडिशा), गुम्मिडिपूंडी-गुडूर तीसरी और चौथी लाइन - 90 किमी (आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु), और कटक-पारादीप (बडाबन्धा) तीसरी और चौथी लाइन - 72 किमी (ओडिशा) शामिल है। बढ़ी हुई लाइन क्षमता से आवागमन में उल्लेखनीय सुधार होगा, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय रेल की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में वृद्धि होगी। इन बहु-ट्रैकिंग प्रस्तावों से परिचालन के सुव्यवस्थित होने और भीड़भाड़ में कमी आने की उम्मीद है। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री मोदी के नए भारत के विजन के अनुरूप हैं, जिसका उद्देश्य क्षेत्र के व्यापक विकास के माध्यम से इस क्षेत्र के लोगों को आत्मनिर्भर बनाना है, जिससे उनके लिए रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अंतर्गत बनाई गई हैं, जिनका मुख्य उद्देश्य एकीकृत योजना और हितधारकों के परामर्श के माध्यम से मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक दक्षता को बढ़ाना है। इन परियोजनाओं से लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित होगी।

पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश राज्यों के 8 जिलों को कवर करने वाली ये 4 परियोजनाएं भारतीय रेल के वर्तमान नेटवर्क को लगभग 410 किलोमीटर तक बढ़ा देंगी। प्रस्तावित मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं से लगभग 6,448 गांवों की कनेक्टिविटी में सुधार होगा, जिनकी आबादी लगभग 60 लाख है। प्रस्तावित क्षमता वृद्धि से देश भर के कई प्रमुख पर्यटन स्थलों तक रेल कनेक्टिविटी में सुधार होगा, जिसमें कुलडीहा वन्यजीव अभयारण्य, भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान, मां भद्रकाली मंदिर, मां धमराई मंदिर, पंचलिंगेश्वर मंदिर, तलसारी-उदयपुर और चांदीपुर समुद्र तट, पुलिकट झील, नेलपट्टू पक्षी अभयारण्य, भगवान वीरराघव पेरुमल मंदिर, गदा कुजंगा जगन्नाथ मंदिर, सरला मंदिर, धबलेश्वर मंदिर, ललितगिरि (बौद्ध स्थल) आदि शामिल हैं। प्रस्तावित परियोजनाएं कोयला, लौह अयस्क, सीमेंट, लोहा और इस्पात, कंटेनर, ऑटोमोबाइल, अनाज आदि जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए आवश्यक मार्ग हैं। क्षमता वृद्धि कार्यों से प्रति वर्ष 76 मिलियन टन माल ढुलाई की अतिरिक्त क्षमता प्राप्त होगी। भारतीय रेल के पर्यावरण के अनुकूल और ऊर्जा कुशल परिवहन माध्यम होने के कारण यह जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश की लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने में सहायक होगी।

नोएडा के सेक्टर-55 के नाले में मिला शव एक सप्ताह से अधिक पुराना होने की आशंका

» नोएडा, यूटर्न/ 19 अगस्त ।

नोएडा के थाना सेक्टर-58 क्षेत्र में बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब सेक्टर-55 में नाले की सफाई के दौरान सफाईकर्मियों को एक अज्ञात पुरुष का शव मिला। शव मिलने की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही थाना सेक्टर-58 पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नाले से बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस के अनुसार, बुधवार 19 अगस्त 2026 को थाना सेक्टर-58 पर सूचना प्राप्त हुई थी कि सेक्टर-55 स्थित नाले में सफाई कार्य के दौरान एक अज्ञात व्यक्ति का शव दिखाई दिया है। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। मौके पर पहुंचने के बाद पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को नाले से बाहर निकलवाया। पुलिस के साथ फील्ड यूनिट की टीम भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाने की कार्रवाई की।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक शव काफी पुराना बताया जा रहा है। आशंका जताई जा रही है कि शव करीब एक सप्ताह से अधिक समय से नाले में पड़ा हुआ था और संभवतः पानी के बहाव के साथ किसी अन्य स्थान से बहकर यहां पहुंचा। हालांकि शव की वास्तविक स्थिति और मृत्यु के कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। सफाईकर्मी नाले की सफाई का काम कर रहे थे, इसी दौरान उन्हें शव दिखाई दिया। शव देखते ही सफाईकर्मियों ने काम रोककर इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और शव को बाहर निकलवाया।

संसदीय राजभाषा समिति द्वारा 84 कार्यालयों का निरीक्षण

पानीपत रिफाइनरी ने समन्वय कार्यालय के रूप में चंडीगढ़ में करवाया सफल आयोजन

» निर्मल सिंह विर्क

पानीपत, यु-टर्न 19 अगस्त : दिनांक 17 एवं 18 अगस्त 2026 को चंडीगढ़ में संसदीय राजभाषा की आलेख एवं साक्ष्य उप-समिति द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति से संबंधित 12 शहरों के 84 कार्यालयों का निरीक्षण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ । इस दो दिवसीय महत्वपूर्ण कार्यक्रम को पानीपत रिफाइनरी एवं पेट्रोकेमिकल द्वारा चंडीगढ़ में आयोजित किया गयो

संसदीय राजभाषा निरीक्षण हिंदी के प्रभावी क्रियान्वयन, सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रगतिशील प्रयोग तथा राजभाषा नीति के प्रति विभिन्न कार्यालयों की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर रहा। इस निरीक्षण में पानीपत नराकास के साथ साथ कुरुक्षेत्र, करनाल, लुधियाना (02 नराकास), मोहाली, जींद, मनसा, पटियाला, रूपनगर, फतेहगढ़ और कालका के कुल 84 कार्यालय शामिल रहे` समिति के माननीय अध्यक्ष श्री भर्तृहरि महताब, सांसद (लोक सभा), के साथ माननीय सदस्य डॉ. दिनेश शर्मा, सांसद (राज्य सभा), श्री उज्ज्वल रमण सिंह, श्री श्रीरंग आप्पा बारणे, श्री विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी, श्री शंकर लालवानी तथा श्री सतीश कुमार गौतम, सभी सांसद (लोक सभा), की गरिमामयी उपस्थिति ने सभी कार्यालयों में राजभाषा के उतरोत्तर प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया ।

सेवा ट्रस्ट यूके (भारत) ने आयोजित किया महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम

» अश्विनी वालिया

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 19 अगस्त । महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए सेवा ट्रस्ट यूके (भारत) द्वारा आज राजकीय आदर्श संस्कृति प्राथमिक विद्यालय धूलगढ़ गुलड़ेहरा कुरुक्षेत्र में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के मुख्य शिक्षक वह सेवा ट्रस्ट यूके (भारत) के जिला अध्यक्ष पवन मित्तल उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में पवन मित्तल ने बताया कि सेवा ट्रस्ट महिलाओं के उत्थान एवं आत्मनिर्भरता के लिए सिलाई-कढ़ाई केंद्र, कंप्यूटर शिक्षा, ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण तथा स्वरोजगार केंद्र जैसे विभिन्न कार्यक्रम संचालित कर रहा है। उन्होंने बताया कि अंबाला के साहा गांव में सेवा धाम के नाम से एक मल्टी-फैसिलिटी होम का निर्माण किया गया है, जहां करोड़ों रुपये की लागत से अनेक सामाजिक सुविधाएं शुरू की गई हैं। उन्होंने जानकारी दी कि दुर्लभ बीमारी ड्यूशेन मस्क्यूलर डिस्ट्रॉफी से पीड़ित बच्चों की सहायता के लिए 6655 वर्ग गज क्षेत्र में सेवा धाम का निर्माण किया गया है, ताकि इन नन्हीं जिंदगियों को बेहतर उपचार एवं सहयोग मिल सके।

साथ ही सेवा धाम में विभिन्न स्किल डेवलपमेंट कोर्स भी संचालित किए जाएंगे, जिससे महिलाएं अपना स्वयं का रोजगार स्थापित कर सकेंगी।

कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए पिहोवा सिटी की खंड कोआर्डिनेटर सीमा शर्मा ने बताया कि सेवा ट्रस्ट द्वारा विभिन्न स्थानों पर महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं, छात्राओं तथा नवजात कन्याओं के परिवारों को सम्मानित किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि सेवा ट्रस्ट यूके (भारत) समाजसेवा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय है। ट्रस्ट द्वारा रक्तदान शिविर, बच्चों की शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, स्वरोजगार तथा अन्य जनकल्याणकारी गतिविधियां नियमित रूप से संचालित की जा रही हैं।

इंडिया पोस्ट फ्रेंचाइजी योजना 2.0 स्वरोजगार का सुनहरा अवसर, 24 अगस्त तक आवेदन : पोस्ट मास्टर संदीप धीमान

रोजगार और कारोबार बढ़ाने का मौका, इंडिया पोस्ट फ्रेंचाइजी योजना 2.0 बनी आकर्षण का केंद्र

» पानीपत, यूटर्न/ 19 अगस्त ।

स्वरोजगार को बढ़ावा देने तथा आमजन को उनके निकट गुणवत्तापूर्ण डाक सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इंडिया पोस्ट फ्रेंचाइजी योजना 2.0 के अंतर्गत पात्र एवं इच्छुक व्यक्तियों से भारतीय डाक विभाग आवेदन आमंत्रित किए गए। आवेदन की अंतिम तिथि 24 अगस्त है। मुख्य डाकघर के पोस्ट मास्टर संदीप धीमान ने बताया कि करनाल डाक मंडल के प्रवर अधीक्षक पंकज कुमार मीना के निदेर्शानुसार इंडिया पोस्ट फ्रेंचाइजी योजना में ग्राहकों की सुविधा एवं व्यवसाय के विस्तार को ध्यान में रखते हुए अनेक नई सुविधाएं जोड़ी गई हैं। यह योजना दुकानदारों, व्यापारियों, स्वरोजगार से जुड़े व्यक्तियों, स्टार्टअप, उद्यमियों तथा अन्य इच्छुक नागरिकों के लिए इंडिया पोस्ट फ्रेंचाइजी बनकर डाक सेवाएं प्रदान करने एवं आकर्षक कमीशन अर्जित करने का सुनहरा अवसर है। ऐसे व्यक्तियों के लिए यह एक उत्कृष्ट अवसर है जो अपना व्यवसाय स्थापित करना चाहते हैं अथवा अपने वर्तमान व्यवसाय के साथ एक अतिरिक्त एवं विश्वसनीय आय का स्रोत विकसित करना चाहते हैं।

फ्रेंचाइजी के माध्यम से स्पीड पोस्ट, पार्सल की बुकिंग, डाक टिकट एवं डाक स्टेशनरी की बिक्री तथा विभाग द्वारा समय-समय पर अनुमोदित अन्य सेवाएं प्रदान की जा सकेंगी। इन सेवाओं के संचालन पर विभाग द्वारा निर्धारित दरों के अनुसार आकर्षक कमीशन प्रदान किया जाएगा, जिससे फ्रेंचाइजी धारक नियमित आय अर्जित कर सकेंगे। साथ ही भारतीय डाक विभाग द्वारा आवश्यक प्रशिक्षण एवं तकनीकी मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे सेवाओं का संचालन सरल एवं सुचारु रूप से किया जा सके। उन्होंने योजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय डाक लेखों की बुकिंग की सुविधा। कैश ऑन डिलीवरी लेखों की बुकिंग एवं पार्सलों की डिलीवरी। पिक-अप, बुकिंग एवं डिलीवरी सहित एकाधिक फ्रेंचाइजी मॉडल। एपीटी 2.0 आधारित मोबाइल ऐप एवं डेस्कटॉप सेल्फ-सर्विस पोर्टल। वॉलेट एवं डायरेक्ट बैंकिंग के माध्यम से डिजिटल भुगतान की सुविधा।

अखिल भारतीय मजदूर संगठन ने महिला की मौत पर परिवार का ढांढस बांधा

» निर्मल सिंह विर्क

पानीपत, यूटर्न/ 19 अगस्त । मानवता को कलंकित करने वाली घटना, 16 अगस्त रात 7:30 बजे नागरिक अस्पताल पानीपत में इलाज के दौरान गरीब मजदूर 57 वर्षीय महिला विद्यानंद कॉलोनी पानीपत के साथ यौवन उत्पीड़न घटना घटी । जिसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए महिला को पीजीआई रोहतक रेफर किया गया । जहां पर 18 अगस्त 2026 प्रातः 5:30 बजे को मानसिक आघात के चलते महिला ईलाज के दौरान दम तोड़ दिया। अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति, मजदूर संगठन सीटू, अखिल भारतीय किसान सभा संगठनों ने हरियाणा सरकार व जिला प्रशासन से घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग है। संगठनों का संयुक्त प्रतिनिधिमंडल पीड़ित परिवार से उनके घर जाकर मिला, और परिवार का ढांढस बंधाया। प्रतिनिधि मंडल में मजदूर संगठन सीटू राज्य सचिव सुनील दत्त, आशा वर्कर यूनियन हरियाणा की जिला प्रधान बंटी, अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति की जिला प्रधान पायल, शाइस्ता, अखिल भारतीय किसान सभा के जिला प्रधान डॉक्टर सुरेंद्र मलिक शामिल थे।

भारतीय सीमा से जुड़ा झूठ नहीं फैलाना चाहिए

सुरक्षाबलों का मनोबल कमजोर होता है : किरेन रिजिजू

दिल्ली, यूटर्न/ 19 अगस्त । केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्षी दलों के चीन सीमा विवाद पर दिए गए बयानों पर जोरदार पलटवार किया। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों की ओर से यह कहना कि 60 किलोमीटर चीन भारत में घुस गया है। ऐसा झूठ नहीं फैलाना चाहिए, सुरक्षाबलों का मनोबल कमजोर होता है नई दिल्ली में आईएएनएस से बातचीत में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि यह कहना बिल्कुल गलत है कि चीन भारत की सीमा में 60 किलोमीटर अंदर घुस आया है। इस तरह की बातें नहीं कही जानी चाहिए। अरुणाचल प्रदेश में कई स्थानों पर सीमा से जुड़ी समस्याएं हैं और इन समस्याओं की जड़ को समझना जरूरी है। भारत और चीन के बीच अरुणाचल प्रदेश में बहुत लंबी सीमा है, जिसका कई इलाकों में स्पष्ट रूप से सीमांकन नहीं हुआ है। कई स्थानों पर न तो सीमा स्तंभ हैं और न ही जमीन पर सीमा को स्पष्ट रूप से चिन्हित किया गया है। यह कोई नया मुद्दा नहीं है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि जो लोग कहते हैं कि 60 किलोमीटर चीन अंदर घुस आया है और तरह-तरह का वीडियो शेयर करके भ्रम फैलाते हैं, ये गलत बात है।

कानपुर में अब तक नहीं मिला गंगा में डूबे दो किशोरों का सुराग ,परिवार में कोहराम

» सुनील बाजपेई

कानपुर, यूटर्न/ 19 अगस्त । नहाने के दौरान गंगाकी 18 जल राशि में समाये दो किशोरों का सुराग अभी तक नहीं मिल पाया है। घटना से उनके परिवार में कोहरा मचा हुआ है। यह घटना बीते सोमवार को महाराजपुर थाना क्षेत्र स्थित ड्योढ़ी गंगा घाट पर हुई थी। जहां सोमवार को गंगा में नहाने गए दो किशोर कृष्णा (16) और शिवा (17) लापता हो गए। घटना के 36 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी समाचार लिखे जाने तक उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया है। कल मंगलवार की तरह आज भी उनकी तलाश में बड़े पैमाने पर रेस्क्यू अभियान जारी रहा। लेकिन सुराग तब भी नहीं मिल पाया। सुबह छह बजे पीएसी की टीमें मौके पर पहुंचीं और ड्योढ़ी, जमदा,शेखपुर, सफीपुर, नजफगढ़, नागापुर, डोमनपुर सहित उन्नाव के चंडिका घाट तक करीब 50 किलोमीटर के क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया। दोपहर करीब दो बजे एनडीआरएफ की टीम भी कंपनी कमांडर अजय सिंह के नेतृत्व में घटनास्थल पर पहुंच खोजबीन शुरू की। एनडीआरएफ कंपनी कमांडर अजय सिंह ने बताया कि 30 लोगों की टीम डीप डाइवर्स के साथ रेस्क्यू अभियान में जुटी हैं।

कई जिलों में ब्लैक लिस्टेड भारतीय कोऑपरेटिव ने कानपुर देहात में भी किया घोटाला, मुकदमा दर्ज

कानपुर, यूटर्न/ 19 अगस्त । उत्तराखंड और यूपी के 5 जिलों को कूट रचित दस्तावेजों और धोखाधड़ी जैसे हथकंडों से करोड़ों की चपत लगाने में सफल हुई ब्लैक लिस्टेड गैर सरकारी संस्था एन जी ओ ने कुछ भ्रष्ट अधिकारियों की मिली भगत से कानपुर देहात को भी अपना शिकार बना लिया। उसने यहां भी विकास कार्यों के नाम पर 6 करोड़ 32 लाख से ज्यादा की विधायक निधि को चपत लगा दी, जिसके फल स्वरुप बख्शी का तालाब लखनऊ, अंबेडकर नगर, बस्ती, मिजार्पुर के बाद ब्लैकलिस्टेड गैर-सरकारी संस्था भारतीय कोऑपरेटिव ग्रामीण विकास एवं निर्माण लिमिटेड के मास्टरमाइंड बताए जाने वाले महाप्रबंधक पवन कुमार पांडे तथा प्रबंध निदेशक विजय कुमार गोयल व टीम के अन्य लोगों के खिलाफ कानपुर देहात के रुरा थाने में भी विभिन्न संगीन धाराओं में रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई है। साथ ही सेंट्रल रजिस्ट्रार को भी इस ब्लैक लिस्टेड एन जी ओ भारतीय कोऑपरेटिव ग्रामीण विकास एवं निर्माण लिमिटेड के रजिस्ट्रेशन निरस्त करने हेतु पत्र भेजा गया है। प्रभावी कार्यवाही की मांग को लेकर उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश शासन को भेजे गए शिकायत पत्र के मुताबिक संस्था उत्तर प्रदेश के कई जनपदों बस्ती, मिजार्पुर, कानपुर देहात, लखनऊ, अंबेडकर नगर आदि में पहले से ही ब्लैकलिस्टेड है। साथ ही बक्शी का तालाब (लखनऊ)' स्थित क्षेत्रीय ग्रामीण विकास संस्थान की महानिदेशक आई ए एस श्रीमती वीरा उपाध्याय द्वारा संस्था के फजीर्वाड़े का पदार्फाश करते हुए इसके विरुद्ध एफ आई आर भी दर्ज कराई जा चुकी है।

सामाजिक मुद्दों पर 21 सदस्यीय कमेटी की मुख्यमंत्री से मुलाकात 22 अगस्त को अंतर्राष्ट्रीय जाट धर्मशाला में होगी अगली बैठक

» कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 19 अगस्त ।

कुरुक्षेत्र में 11, 12 एवं 13 जून को आयोजित सर्वजातीय खाप सम्मेलन एवं चिंतन शिविर में उठाए गए सामाजिक एवं वैवाहिक मुद्दों को लेकर 21 सदस्यीय कमेटी ने बुधवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व देशवाल खाप के प्रधान चौधरी संजय देशवाल ने किया।

बैठक में खाप प्रतिनिधियों ने सम्मेलन में उठाए गए प्रमुख सामाजिक विषयों पर विस्तार से चर्चा की। इनमें लिव-इन रिलेशनशिप, हिंदू मैरिज एक्ट में आवश्यक संशोधन तथा प्रेम विवाह के मामलों में माता-पिता की सहमति से जुड़े विषय प्रमुख रहे। सम्मेलन में 36 बिरादरियों एवं विभिन्न खापों के प्रतिनिधियों ने इन मुद्दों पर व्यापक चिंतन करते हुए सरकार के समक्ष मांगें रखने के लिए 21 सदस्यीय कमेटी गठित करने का निर्णय लिया था। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि समाज में उत्पन्न हो रही विभिन्न सामाजिक चुनौतियों के समाधान के लिए सरकार, सामाजिक संगठनों और खाप प्रतिनिधियों के बीच संवाद आवश्यक है। इन विषयों पर कानूनी एवं सामाजिक स्तर पर प्रभावी पहल किए जाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया।

मुख्यमंत्री के साथ हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि इन सभी विषयों पर 22 अगस्त 2026 को अंतर्राष्ट्रीय जाट धर्मशाला, कुरुक्षेत्र में दोबारा विस्तृत बैठक एवं चिंतन किया जाएगा। इस बैठक में हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री कृष्ण बेदी जी विशेष रूप से शामिल रहेंगे और विभिन्न खापों एवं समाज के प्रतिनिधियों की बात सुनेंगे। बैठक में सामाजिक एवं वैवाहिक कानूनों से जुड़े विषयों पर प्रतिनिधियों के सुझाव लिए जाएंगे तथा संभावित समाधान एवं आगे की कार्यवाही पर चर्चा।

BJP की नई डिजिटल टीम, पुराने निशान गायब

संदीप शर्मा

राजनीति में हमेशा से याददाश्त की समस्या रही है। नेता वादे करते हैं, अपनी बात बदलते हैं, खुद की ही बातों का खंडन करते हैं और कभी-कभी उम्मीद करते हैं कि कल का अखबार परसों तक भुला दिया जाएगा। सोशल मीडिया से इस स्थिति के बदलने की उम्मीद थी। इसने राजनेताओं, कार्यकताओं और राजनीतिक लोगों की उन बातों का एक तरह से स्थायी सार्वजनिक रिकॉर्ड बना दिया, जो उन्होंने तब कही थीं जब किसी को उनके महत्वपूर्ण बनने की उम्मीद नहीं थी। अब बीजेपी की नई घोषित सोशल-मीडिया टीम से जुड़ा एक दिलचस्प मामला सामने आया है। 'ऑल्ट न्यूज' की एक रिपोर्ट के अनुसार, 17 अगस्त को बीजेपी द्वारा अपनी नई सोशल-मीडिया नियुक्तियों की घोषणा के कुछ ही समय बाद, चार नवनियुक्त सह-संयोजकों के अकाउंट या तो गायब हो गए या उन तक पहुंच नहीं रही। कुछ पुरानी पोस्ट भी अब उपलब्ध नहीं थीं। अलग-अलग अकाउंट में बदलाव के पीछे पूरी तरह से सामान्य कारण हो सकते हैं। लोग पोस्ट डिलीट करते हैं। वे अकाउंट लॉक करते हैं। वे यूजरनेम बदलते हैं। राजनीतिक संगठन भी समय-समय पर अपने पदाधिकारियों को पुरानी सोशल-मीडिया गतिविधियों को हटाने या साफ करने की सलाह देते हैं। इनमें से कोई भी बात अपने आप में गलत काम का सबूत नहीं है। लेकिन राजनीति केवल इस बारे में नहीं है कि तकनीकी रूप से क्या जायज है। यह पारदर्शिता की छवि के बारे में भी है। बीजेपी ने भारत का सबसे मजबूत राजनीतिक संचार तंत्र खड़ा किया है। इसका डिजिटल इकोसिस्टम लंबे समय से मतदाताओं तक पहुँचने, विरोधियों का मुकाबला करने और राजनीतिक नैरेटिव (विमर्श) गढ़ने में केंद्रीय भूमिका निभाता रहा है। इस वजह से, उस तंत्र को चलाने की ज़िम्मेदारी संभालने वाले लोगों का सोशल-मीडिया इतिहास केवल एक व्यक्तिगत मामला नहीं रह जाता। अगर पुरानी पोस्ट में आपत्तिजनक, संयम-हीन या राजनीतिक रूप से शर्मनाक टिप्पणियाँ थीं, तो उन्हें हटाने की इच्छा समझ में आती है। लेकिन हटाने से मूल पोस्ट की तुलना में बड़ी समस्या पैदा हो सकती है। एक बार जब कोई राजनीतिक पार्टी किसी व्यक्ति को महत्वपूर्ण सार्वजनिक पद पर नियुक्त करती है, तो जनता की उस व्यक्ति के रिकॉर्ड को समझने में जायज दिलचस्पी होती है। इस विडंबना को नजरअंदाज करना मुश्किल है। राजनीतिक पार्टियाँ नागरिकों को यह बताने में बहुत सारे संसाधन खर्च करती हैं कि इंटरनेट वह रणभूमि है जहाँ विपक्ष को चुनौती दी जानी चाहिए, नैरेटिव को चुनौती दी जानी चाहिए और हर राजनीतिक दावे को बढ़ाया-चढ़ाया जाना चाहिए। फिर भी, जब उनके अपने पदाधिकारियों का डिजिटल अतीत अचानक असुविधाजनक हो जाता है, तो उस अतीत को कम दिखाई देने लायक बनाने का लालच पैदा होता है। यह जरूरी नहीं कि अपराध का सबूत हो। हालाँकि, यह संचार संबंधी दुविधा का सबूत जरूर है। बीजेपी का अपनी सोशल मीडिया टीम को नया रूप देने का फैसला एक बहुत ही दिलचस्प समय पर आया है। पार्टी ने व्यापक संगठनात्मक फेरबदल के तहत अपने सोशल-मीडिया प्रमुख को बदल दिया है, और दीपक म्हास्के ने यह भूमिका संभाली है। रॉयटर्स ने इस बड़े रीस्ट्रक्चरिंग (पुनर्गठन) को हाल ही में युवाओं के नेतृत्व में हुए विरोध-प्रदर्शनों के बाद सोशल मीडिया के बढ़ते राजनीतिक महत्व से जोड़ा है। सोशल मीडिया की लोकतांत्रिक अहमियत कुछ हद तक उसकी याददाश्त में निहित है। राजनीतिक दलों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वे उस याददाश्त को ऐसी चीज न बना दें जिसे आसानी से भुलाया या हटाया जा सके।

ट्रंप को क्यों भा गया भारतीय निर्वाचन आयोग?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान केवल भारत की चुनाव प्रणाली की प्रशंसा भर नहीं है। इसके पीछे अमेरिकी राजनीति, मतदाता पहचान, चुनावी पारदर्शिता और आगामी अमेरिकी मध्यावधि चुनावों की राजनीति भी दिखाई देती है। सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है कि आखिर भारत की चुनाव व्यवस्था में ऐसा क्या है जो दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्रों में से एक अमेरिका के राष्ट्रपति को आकर्षित कर रहा है? भारत का निर्वाचन आयोग कोई सामान्य प्रशासनिक संस्था नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत उसे संसद, राज्य विधानसभाओं तथा राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनावों की देखरेख, निर्देशन और नियंत्रण का संवैधानिक दायित्व प्राप्त है।

सौरभ वार्ष्णेय

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जो भारत के साथ टैरिफ पर टैरिफ खेल रहे थे अचानक युद्ध छोड़कर भारत की चुनाव व्यवस्था और मतदाता पहचान प्रणाली यानी भारतीय निर्वाचन आयोग को पंसद कर रहे हैं। ज्ञात रहे कि हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी चुनाव व्यवस्था की तुलना भारतीय चुनाव मतदाता पहचान प्रणाली से की है। ट्रंप ने भारत के विशाल चुनावी तंत्र, फोटो पहचान-पत्र की व्यवस्था और सीमित डाक मतपत्र व्यवस्था को अमेरिका के लिए उदाहरण के रूप में पेश किया। उन्होंने भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार से कथित बातचीत का भी उल्लेख किया, हालांकि इस बातचीत का स्वतंत्र सार्वजनिक रिकॉर्ड अभी स्पष्ट रूप से सामने नहीं आया है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान केवल भारत की चुनाव प्रणाली की प्रशंसा भर नहीं है। इसके पीछे अमेरिकी राजनीति, मतदाता पहचान, चुनावी पारदर्शिता और आगामी अमेरिकी मध्यावधि चुनावों की राजनीति भी दिखाई देती है। सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है कि आखिर भारत की चुनाव व्यवस्था में ऐसा क्या है जो दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्रों में से एक अमेरिका के राष्ट्रपति को आकर्षित कर रहा है? भारत का निर्वाचन आयोग कोई सामान्य प्रशासनिक संस्था नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत उसे संसद, राज्य विधानसभाओं तथा राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनावों की देखरेख, निर्देशन और नियंत्रण का संवैधानिक दायित्व प्राप्त है। निर्वाचन आयोग स्वयं भी इसे स्वतंत्र संवैधानिक प्राधिकरण के रूप में वर्णित करता है।

भारत में चुनाव कराना अपने आप में दुनिया का एक असाधारण प्रशासनिक अभियान है। करोड़ों मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक पहुंचाना, मतदाता सूची तैयार करना, पहचान सुनिश्चित करना, राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के लिए समान अवसर बनाए रखना तथा परिणामों को घोषित करना—यह पूरा तंत्र विशाल स्तर पर काम करता है। ट्रंप ने भारत के हालिया आम चुनाव में लगभग 646 मिलियन मतदाताओं का उल्लेख करते हुए भारतीय फोटो पहचान व्यवस्था को अमेरिका के संदर्भ में उपयोगी बताया। यहीं से भारत और अमेरिका के चुनावी मॉडल में एक महत्वपूर्ण अंतर सामने आता है। अमेरिका में चुनावों का संचालन काफी हद तक राज्यों के स्तर पर होता है और नियमों में राज्यवार अंतर दिखाई देता है। इसके विपरीत भारत में निर्वाचन आयोग एक केंद्रीय संवैधानिक संस्था के रूप में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनावों के लिए व्यापक अधिकार रखता है। ट्रंप की नजर में यही केंद्रीकृत चुनाव प्रबंधन एक आकर्षक मॉडल हो सकता है। ट्रंप की टिप्पणी को समझने के लिए अमेरिकी राजनीति को समझना आवश्यक है। अमेरिका में मतदाता पहचान और नागरिकता सत्यापन लंबे समय से राजनीतिक बहस का विषय रहे हैं। ट्रंप लगातार यह तर्क देते रहे हैं कि चुनावी प्रक्रिया में पहचान और नागरिकता की पर्याप्त जांच होनी चाहिए। इसी पृष्ठभूमि में उन्होंने भारत का उदाहरण दिया। उनका उद्देश्य केवल भारत की प्रशंसा करना नहीं, बल्कि अमेरिकी मतदाता पहचान कानूनों के पक्ष में राजनीतिक समर्थन जुटाना भी है। ट्रंप प्रशासन के माध्यम से मतदाता पंजीकरण में नागरिकता प्रमाण और देशव्यापी फोटो पहचान जैसे प्रावधानों पर जोर दे रहा है।

इसलिए यह कहना अधिक उचित होगा कि ट्रंप को भारत इसलिए भा रहा है क्योंकि भारतीय चुनाव प्रणाली का एक हिस्सा उनके घरेलू राजनीतिक एजेंडे के अनुकूल दिखाई देता है। यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है—क्या ट्रंप वास्तव में भारतीय चुनाव प्रणाली को अमेरिकी चुनाव व्यवस्था का आदर्श मानते हैं या वे भारत का उदाहरण अपनी घरेलू राजनीति में एक राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं?

भारत की चुनाव व्यवस्था की अपनी खूबियां हैं। लेकिन भारत भी पूर्ण व्यवस्था होने का दावा नहीं कर सकता। मतदाता सूची में नाम जुडने या हटने, पहचान संबंधी समस्याओं, चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता और निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता को लेकर समय-समय पर राजनीतिक विवाद उठते रहे हैं। हाल के वर्षों में मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर भी तीखी राजनीतिक बहस हुई है। 2026 में विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विपक्ष और नागरिक समूहों ने सवाल उठाए हैं, जबकि निर्वाचन आयोग ने अपने संवैधानिक अधिकारों के भीतर काम करने का पक्ष रखा है। इस मुद्दे पर सर्वोच्च न्यायालय में भी निर्वाचन आयोग की मतदाता सूची तैयार करने की शक्तियों को लेकर प्रश्नों पर विचार हुआ है इसलिए ट्रंप की प्रशंसा को भारत की चुनाव प्रणाली के लिए अंतिम प्रमाणपत्र मान लेना उचित नहीं होगा किसी भी चुनाव की सफलता केवल इस बात से तय नहीं होती कि कितने लोगों ने मतदान किया। असली सफलता तब होती है जब हारने वाला उम्मीदवार और उसके समर्थक भी परिणाम को स्वीकार करें।

भारत में निर्वाचन आयोग की भूमिका इसलिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। संविधान ने उसे चुनावी प्रक्रिया की देखरेख का व्यापक अधिकार दिया है ताकि सत्ता परिवर्तन शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से हो सके। निर्वाचन आयोग स्वयं अपने संवैधानिक दायित्व को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने से जोड़ता है।

लेकिन लोकतांत्रिक संस्थाओं की प्रतिष्ठा केवल संवैधानिक प्रावधानों से नहीं बनती। वह जनता के विश्वास से बनती है। इसलिए निर्वाचन आयोग के सामने सबसे बड़ी चुनौती आज यही है कि उसकी प्रत्येक कार्रवाई ऐसी हो जिस पर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को समान रूप से भरोसा हो। ट्रंप के बयान के बाद भारत में राजनीतिक प्रतिक्रिया भी सामने आई। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को अमेरिका ले जाने संबंधी व्यंग्यात्मक टिप्पणी की।

कांग्रेस द्वारा इस बड़ी चूक पर हमला किए जाने के बाद राजस्थान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी पड़ी। कोटा, मेरठ और ग्वालियर जैसे कई शहरों में भाजपा के स्थानीय विधायकों और सांसदों के ऐसे अनेक वीडियो सामने आ चुके हैं।

वंदे मातरम प्रेम : हकीकत या फसाना

निर्मल रानी

राष्ट्रीय गीत वंदेमातरम के 150 साल पूरे होने के अवसर पर 2026 के नये सरकारी प्रोटोकॉल के अनुसार गृह मंत्रालय द्वारा जारी नए दिशा-निर्देशों के तहत सरकारी कार्यक्रमों में राष्ट्रगान से पहले वंदे मातरम बजाना और सभी के लिए सम्मान में खड़ा होना अनिवार्य कर दिया गया है। साथ ही औपचारिक अवसरों पर इसके सभी छह छंदों को गाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। विपक्ष सहित कुछ अन्य संगठन इस अनिवार्य प्रोटोकॉल को संविधान के अनुच्छेद 25 अर्थात व्यक्तिगत और धार्मिक स्वतंत्रता के विरुद्ध बताते हैं। बहरहाल, इन सब के बावजूद वंदेमातरम को संसद में और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पर प्रधानमंत्री की मौजूदगी में लाल किले पर गाया गया क बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा1875 में मूल रूप से बांग्ला और संस्कृत भाषा में लिखे इस गीत के शब्द काफी कठिन हैं। 6 छंदों पर आधारित यह गीत काफी लंबा भी है। चूँकि आम तौर पर केवल इसके पहले दो छंदों को ही आधिकारिक तौर पर गाया जाता रहा है, इसलिए देश के अधिकांश राजनेताओं और आम नागरिकों को भी इसके बाद के 4 छंद कंठस्थ याद नहीं होते हैं। लेकिन भाजपा के मामले में यह विवाद इसलिए भी बड़ा हो जाता है क्योंकि वह अन्य दलों पर राष्ट्रगीत के अपमान का तो आरोप लगाती है, जबकि खुद उसके अपने नेता इसे सही ढंग से प्रस्तुत करने में चूक जाते हैं।

समय-समय पर भाजपा के नेताओं की इस गीत को लेकर अज्ञानता कैमरे पर भी उजागर हुई है। एक टेलीवीजन लाइव डिबेट के दौरान, जब भाजपा प्रवक्ता नवीन कुमार सिंह दूसरों को वंदे मातरम्-गाने की चुनौती दे रहे थे, तो एंकर ने उनसे स्वयं इसे गाने को कह दिया। वे अपने मोबाइल फोन में देखने के बावजूद गीत की गलत पंक्तियाँ गाने लगे और धुन भी पूरी तरह भूल गए। इसी तरह उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार के पूर्व मंत्री बलदेव सिंह औलख से जब पत्रकारों ने वंदे मातरम् की कुछ पंक्तियाँ सुनाने को कहा, तो वे बेहद असहज हो गए। उन्होंने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि उन्हें इस समय पूरा याद नहीं है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जयपुर में भाजपा के मुख्य स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान, मंच पर राष्ट्रगीत गाते समय गलत धुन और गलत वर्जन बज गया। कांग्रेस द्वारा इस बड़ी चूक पर हमला किए जाने के बाद राजस्थान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी पड़ी। कोटा, मेरठ और ग्वालियर जैसे कई शहरों में भाजपा के स्थानीय विधायकों और सांसदों के ऐसे अनेक वीडियो सामने आ चुके हैं, जहाँ वे वंदे मातरम और राष्ट्रगान (जन गण मन) के बीच अंतर करने में भ्रमित हो जाते हैं या गीत की पंक्तियों को आपस में मिला देते हैं। हाल ही में गुजरे संसद के मॉनसून सत्र के दौरान जब वंदे मातरम् को लेकर नया कानून और राष्ट्रगीत विवाद गरमाया, तो विपक्ष ने भाजपा को घेरते हुए कहा कि जिन्होंने वंदे मातरम्-को लेकर कड़े कानून बनाये हैं, हकीकत यह है कि उनके अपने नेताओं और मंत्रियों को भी यह गीत पूरा याद नहीं है।

उधर मुस्लिम समुदाय के भीतर इस गीत को लेकर अलग-अलग दृष्टिकोण और विचार हैं। हालाँकि समग्र मुस्लिम समाज वंदे मातरम् गायन का विरोध नहीं करता है परन्तु समाज के कुछ लोग या कुछ धार्मिक संगठन इसके पूरे पाठ या कुछ विशिष्ट छंदों का विरोध करते हैं। जबकि अनेक अन्य मुस्लिम नागरिक, प्रतिष्ठित लोग और कलाकार इसे देशभक्ति के प्रतीक के रूप में सहजता से गाते भी हैं। दरअसल मुसलमानों के एक वर्ग के वंदे मातरम्-का विरोध करने के पीछे मुख्य रूप से धार्मिक, साहित्यिक और ऐतिहासिक कारण हैं। एकेश्वरवाद के सिद्धांत पर आधारित इस्लाम धर्म में केवल एक अल्लाह की इबादत की अनुमति है। जबकि वंदे मातरम्-का शाब्दिक अर्थ माँ, मैं आपकी वंदना/पूजा करता हूँ होता है जहाँ देश को एक देवी दुर्गा के रूप में चित्रित किया गया है।

जमीयत उलेमा-ए-हिंद जैसे धार्मिक संगठनों का मानना है कि अल्लाह के अलावा किसी भी अन्य सत्ता, भूमि या मूर्ति के सामने झुकना या उसकी पूजा करना उनके धार्मिक सिद्धांतों के विरुद्ध है। कुछ इतिहासकारों और मुस्लिम विचारकों का मानना है कि इस उपन्यास की पृष्ठभूमि और कुछ अंशों में मुस्लिम विरोधी भावनाएं निहित थीं, जिससे इस गीत को लेकर ऐतिहासिक रूप से एक संशय पैदा हुआ।

संक्षिप्त खबरें

टेलीकॉम ने बदला भारत, प्रतीक्षा से प्रगति तक

नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 अगस्त । आज से करीब साढ़े तीन दशक पहले, एक टेलीफोन कनेक्शन हासिल करना अपने आप में एक उपलब्धि थी। लैंडलाइन कनेक्शन की मंजूरी, तारों के बिछाने और फोन के चालू होने में आमतौर पर महीनों या कभी-कभी वर्षों लग जाते थे। गोल डायल वाला यह उपकरण व्यवसायों के लिए प्रतिष्ठा का प्रतीक था और पूरे इलाके के लिए संपर्क का एकमात्र साधन होता था। कैपजेमिनाई में टेलीकॉम-इंडिया के एक अधिकारी के अनुसार उदारीकरण से पहले दूरसंचार दुर्लभ और सरकारी सेवा थी।

वनप्लस ने मिड-रेंज स्मार्टफोन की कीमतें 4000 रुपए तक बढाई

नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 अगस्त । अपने बजट और मिड-रेंज स्मार्टफोन की दिग्गज टेक कंपनी वनप्लस ने 4000 रुपए तक कीमतें बढ़ा दी हैं। सबसे ज्यादा असर रुपए 20,000 के बजट में शॉपिंग करने वाले ग्राहकों पर पड़ेगा। वनप्लस एन6एक्स के 4जीबी रैम और 64जीबी स्टोरेज वैरिएंट की कीमत पहले रुपए 19,999 थी, जो अब बढ़कर रुपए 20,999 हो गई है। इसके अलावा, वनप्लस एन 6 मॉडल के दोनों वैरिएंट्स की कीमतों में भी रुपए 2000 की बढ़ोतरी की गई है। वहीं, इसका 4जीबी रैम और 128जीबी स्टोरेज वाला दूसरा वैरिएंट भी अब रुपए 20,999 की जगह रुपए 22,999 में मिलेगा। इसका 4जीबी रैम और 128जीबी स्टोरेज वाला मॉडल अब रुपए 22,999 के बजाय रुपए 24,999 में मिलेगा, जबकि 6जीबी रैम और 128जीबी स्टोरेज वाला वैरिएंट रुपए 24,999 से बढ़कर रुपए 26,999 का हो गया है। कीमतें बढाने की वजह ग्लोबल लेवल पर चिपसेट और डिस्प्ले पैनल्स जैसे प्रमुख कंपोनेंट्स की बढ़ती लागत, लॉजिस्टिक्स/सप्लाई-चेन कॉस्ट और मार्केट में उतार-चढ़ाव की वजह माना जा रहा है।

फ्री डिलीवरी के लिए जेप्टो ने बढ़ाई न्यूनतम ऑर्डर राशि, अब 199 रुपए से लेकर 299 रुपए तक करना होगा ऑर्डर

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 अगस्त

क्विक-कॉमर्स कंपनी जेप्टो ने फ्री डिलीवरी पाने के लिए न्यूनतम ऑर्डर मूल्य (मिनिमम ऑर्डर वैल्यू) बढ़ा दिया है। कंपनी ने सामान्य समय में इसे 149 रुपए से बढ़ाकर 199 रुपए कर दिया है, जबकि अधिक मांग (पीक डिमांड) के दौरान यह सीमा 299 रुपए तक पहुंच रही है। इस बदलाव के साथ जेप्टो की फ्री डिलीवरी नीति अब प्रतिस्पर्धी कंपनियों ब्लिंकिट और इंस्टामार्ट के समान स्तर पर आ गई है।

ग्राहकों के अनुसार, पहले जहां 149 रुपए के ऑर्डर पर फ्री डिलीवरी मिल जाती थी, वहीं अब सामान्य परिस्थितियों में कम से कम 199 रुपए का ऑर्डर देना होगा। मांग अधिक होने के समय यह न्यूनतम सीमा बढ़कर 299 रुपए तक हो जाती है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब क्विक-कॉमर्स कंपनियां अपने कारोबार की लाभप्रदता बढ़ाने और डिलीवरी लागत को नियंत्रित करने की कोशिश कर रही हैं। बढ़ी हुई न्यूनतम ऑर्डर राशि से ग्राहकों को अपनी खरीदारी सूची में अधिक उत्पाद जोड़ने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे औसत ऑर्डर मूल्य बढ़ सकता है और कंपनियों की प्रति ऑर्डर कमाई में सुधार हो सकता है। हालांकि, उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि इस फैसले का असर उन ग्राहकों पर पड़ सकता है जो केवल कुछ आवश्यक वस्तुओं की त्वरित डिलीवरी के लिए छोटे मूल्य के ऑर्डर देते हैं।

ऐसे उपभोक्ताओं की खरीदारी आदतों की परीक्षा अब इस नई व्यवस्था में हो सकती है। जेप्टो का यह कदम भारत के तेजी से बढ़ते क्विक-कॉमर्स बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा को भी दशार्ता है।

पीयूष गोयल का सिंगापुर दौरा आर्थिक रिश्तों को मिलेगी नई ऊंचाई

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 अगस्त ।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल भारत और सिंगापुर के बीच आर्थिक एवं निवेश संबंधों को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से 19 से 21 अगस्त तक सिंगापुर के दौरे पर हैं। यह यात्रा चौथे भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन (आईएसएमआर) के तहत दोनों देशों के बीच चल रहे उच्च-स्तरीय संवाद का हिस्सा है। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, पीयूष गोयल के साथ करीब 70 वरिष्ठ उद्योग प्रतिनिधियों का एक बड़ा कारोबारी प्रतिनिधिमंडल भी गया है, जिसमें टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मैन्युफैक्चरिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर, फाइनेंशियल सर्विसेज, हेल्थकेयर, कृषि, लॉजिस्टिक्स, समुद्री व्यापार और पेशेवर सेवाओं से जुड़े प्रमुख प्रतिनिधि शामिल हैं।

यह प्रतिनिधिमंडल सिंगापुर में विभिन्न व्यवसाय-से-व्यवसाय (बी2बी), सरकार-से-व्यवसाय (जी2बी) और संस्थागत बैठकों में भाग लेगा। इन चर्चाओं का मुख्य फोकस निवेश, बाजार पहुंच, तकनीकी सहयोग, कौशल विकास और नई साझेदारियों को बढ़ावा देना होगा।

पीयूष गोयल गुरुवार को आयोजित होने वाले चौथे भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इस बैठक में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव भी शामिल होंगे। यह सम्मेलन चौथे भारत-सिंगापुर बिजनेस राउंडटेबल के साथ आयोजित किया जाएगा, जिसके बाद दोनों देशों के बीच विभिन्न समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे और सिंगापुर के उप-प्रधानमंत्री द्वारा प्रतिनिधिमंडलों के सम्मान में दोपहर भोज का आयोजन किया जाएगा।

दौरे के दौरान पीयूष गोयल सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग से भी मुलाकात करेंगे। इसके अलावा, वह कई प्रमुख वैश्विक एवं सिंगापुर आधारित संस्थाओं के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकें करेंगे। इनमें ग्लोबल फाइनेंस एंड टेक्नोलॉजी नेटवर्क, वाईपीओ ग्लोबल, मिल्केन इंस्टीट्यूट, केपेल इंफ्रास्ट्रक्चर, टेमासेक होल्डिंग्स और आईएचएच हेल्थकेयर जैसी संस्थाएं शामिल हैं।

मंत्री फैमिली ऑफिस गोलमेज बैठक में भी भाग लेंगे तथा सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन, टर्नर एंड टाउनसेंड और एसटीटी जीडीसी के प्रतिनिधियों से चर्चा करेंगे।

पीयूष गोयल सिंगापुर के विदेश एवं व्यापार-उद्योग मंत्रालय की राज्य मंत्री गान सियो हुआंग के साथ सिटी स्क्वायर मॉल में एपीडा-फेयरप्राइस पहल का संयुक्त दौरा भी करेंगे। यह पहल भारतीय कृषि एवं खाद्य उत्पादों को सिंगापुर के उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू की गई है।

इसके अतिरिक्त, वह फिक्की (एफआईसीसीआई) द्वारा आयोजित भारत-सिंगापुर बिजनेस फोरम में भाग लेंगे, जिसका आयोजन आईएनसीईडी एशिया कैंपस में किया जा रहा है।

भारत में एक्लेक्ट्रॉन ने लॉन्च किया नया प्रोजेक्टर

नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 अगस्त । भारत में एक्लेक्ट्रॉन ने एक नया प्रोजेक्टर लॉन्च किया है। यह 200 इंच तक की स्क्रीन का प्रोजेक्शन करता है। दिग्गज टेक कंपनी पोको ने स्नैपड्रेगन 4 जेन 5 प्रोसेसर वाले भारत के पहले स्मार्टफोन की लॉन्चिंग की घोषणा कर दी है। साथ ही, वीवो ने अपने कई फोन्स की कीमत बढ़ा दी है। एक्लेक्ट्रॉन ने एंड्राएड 14 पर चलने वाला 9000 ल्यूमेन्स ब्राइटनेस और 200 इंच स्क्रीन के प्रोजेक्शन वाला नया टेक्नो प्लस स्मार्ट प्रोजेक्टर लॉन्च किया है। इसकी कीमत 9000 रुपये से कम है। वहीं, आईक्यू आने वाली 20 तारीख को आईक्यू झेड 11 5जी स्मार्टफोन के साथ अपने नए टीडब्ल्यूएस ईयरफोन आईक्यू बडस भारत में लॉन्च करने जा रहा है और दूसरी तरफ पोको भी 21 अगस्त, 2026 को स्नैपड्रेगन 4 जेन 5 प्रोसेसर वाला भारत का पहला स्मार्टफोन लॉन्च करने की तैयारी में है। इसकी कीमत 20,000 से कम होने की उम्मीद है। एक्लेक्ट्रॉन ने टेक्नो प्लस एंड्राएड 14 स्मार्ट होम प्रोजेक्टर लॉन्च किया है, जो नेटिव 1080पी फुल एचडी रिजॉल्यूशन, 4के डिकोडिंग सपोर्ट, 9000 ल्यूमेन्स ब्राइटनेस और 200 इंच तक की बड़ी स्क्रीन प्रोजेक्शन करता है। एंड्राएड 14 ऑपरेटिंग सिस्टम पर चलने वाले इस कॉम्पैक्ट प्रोजेक्टर में नेटफलिक्स, यूटयूब, प्राइम वीडियो, जियो स्टार, झी5 और सोनी लाइव जैसे इन-बिल्ट ओटीटी ऐप्स का सपोर्ट मिलता है। इसकी कीमत 8,499 रुपये है।

आम लोग हम पर भरोसा नहीं करते: सीईओ एंथ्रोपिक

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 अगस्त

आम लोग टेक कंपनियों पर भरोसा नहीं जताते। यह कोई आज की बात नहीं है। यह अविश्वास दशकों से चला आ रहा है। यह कहना है एआई कंपनी एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई का। उन्होंने इसे भरोसे का संकट बताया है। उन्होंने कहा है कि आम लोग हम पर भरोसा नहीं करते और उन्हें लगता है कि हम उन्हें नुकसान पहुंचाने या धोखा देने का नया तरीका ढूंढ रहे हैं।

डारियो ने कहा है कि एआई कंपनियों ने अभी तक दुनिया को फायदा पहुंचाने वाले अपने बड़े वादों को पूरा नहीं किया है। डारियो ने उन आलोचनाओं को भी खारिज किया है जिनमें कहा गया है कि एआई के खतरों से जुड़ी चेतावनियां लोगों में नेगेटिविटी को बढ़ा रही हैं। डारियो के अनुसार, असली समस्या 'भरोसे का संकट' है।

अमोदेई ने उन सुझावों को भी खारिज किया है, जिनमें कहा गया है कि कंपनियों को ब्रैंड इमेज सुधारने के लिए विज्ञापनों पर खर्च करना चाहिए। डारियो अमोदेई ने लिखा- मैं इस बात से सहमत हूं कि लोगों के बीच एआई को लेकर नकारात्मक रवैया है। लेकिन मुझे नहीं लगता कि यह मेरे या किसी अन्य एआई

लीडर द्वारा खतरों की चेतावनी देने के कारण है। यह भरोसे का संकट है। आम लोग कंपनियों, सरकारों या टेक इंडस्ट्री पर भरोसा नहीं करते। इसके दशकों पुराने कारण हैं और एआई बस इसका नया रूप है। मुझे नहीं लगता कि बड़े-बड़े मार्केटिंग अभियानों से यह भरोसा जीता जा सकता है।

लोग अब कैंसर का इलाज जैसे दावों को भ्रामक मानते हैं। जो चीज सच में काम करेगी, वह है वास्तव में कैंसर का इलाज करना। एंथ्रोपिक समेत एआई कंपनियों की सबसे सटीक आलोचना यही है कि हमने अभी तक दुनिया को फायदा पहुंचाने वाले अपने बड़े वादों को पूरा नहीं किया है। यह पूरी तरह हमारी जिम्मेदारी है और आपको मार्केटिंग की जगह इसी बात पर सवाल उठाने चाहिए।

भारत में डीपटेक फंडिंग का बोलबाला, 11.4 अरब डॉलर का आंकड़ा पार

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 अगस्त ।

इंडियन वेंचर ऐंड ऑल्टरनेट कैपिटल एसोसिएशन (आईवीसीए) की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय डीपटेक सेक्टर में वर्ष 2015 से अब तक कुल 11.4 अरब डॉलर का भारी निवेश आया है। इस फंडिंग का 85 प्रतिशत से भी अधिक हिस्सा पिछले छह सालों में ही जुटाया गया है, जो देश के डीपटेक इकोसिस्टम के तेजी से परिपक्व होने और वाणिज्यिक सफलता की ओर बढ़ने का स्पष्ट संकेत देता है। आईवीसीए के आंकड़ों के मुताबिक डीपटेक सेक्टर में निवेश में अभूतपूर्व उछाल आया है। वर्ष 2025 फंडिंग के लिहाज से अब तक का सबसे सफल साल रहा, जब डीपटेक स्टार्टअप्स ने रिकॉर्ड 189 राउंड में 2.9 अरब डॉलर जुटाए। वर्ष 2026 में भी यह गति जारी है और कंपनियों ने 103 राउंड में लगभग 1 अरब डॉलर की पूंजी जुटाई है।

2021 के बाद से फंडिंग में आई यह तेजी साफ तौर पर दशार्ती है कि डीपटेक कंपनियां अब शुरूआती चरण से निकलकर वाणिज्यिक मजबूती की ओर अग्रसर हैं। इस तेजी का प्रमाण हाल के उदाहरणों में देखा जा सकता है, जैसे स्काईरूट एरोस्पेस द्वारा पहले प्राइवेट ऑर्बिटल-क्लास रॉकेट का सफल लॉन्च और एआई इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी नेसा का 1.2 अरब डॉलर का फंडिंग राउंड, जिसने उसे यूनिकॉर्न का दर्जा दिलाया। 2015 से 2026 के बीच ब्लूम वेंचर्स

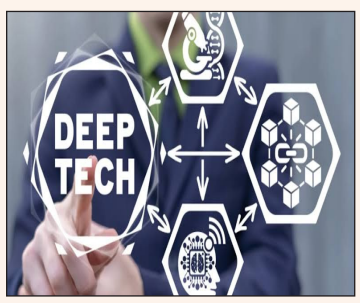

(51 सौदे), स्पेशल इन्वेस्ट (50 सौदे) और एक्सेल इंडिया (48 सौदे) सबसे सक्रिय डीपटेक निवेशक रहे। इसी अवधि में, डीपटेक कंपनियों ने 61 सौदों के माध्यम से वेंचर ऋण के रूप में कुल 54.4 करोड़ डॉलर की पूंजी भी जुटाई। हालांकि, निवेश से बाहर निकलने (एक्जिट) के लिए विलय एवं अधिग्रहण को प्राथमिकता दी जाती है, लेकिन हकीकत में सबसे ज्यादा सेकंडरी बिक्री (56 फीसदी) ही देखने को मिली हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 62 प्रतिशत फंडों ने एक्जिट की स्पष्टता को एक बड़ी चुनौती माना है। आईपीओ भी एक विकल्प है, लेकिन इसके लिए ग्रोथ-स्टेज कैपिटल की अधिक आवश्यकता होती है। पिछले साल 18 बिकवाली सौदों से 60 करोड़ डॉलर मिले, जबकि 2024 में 7 एक्जिट से 15.2 करोड़ डॉलर जुटाए गए। डीपटेक स्टार्टअप वे उद्यम हैं जो नई वैज्ञानिक या इंजीनियरिंग प्रगति पर आधारित समाधान विकसित करते हैं.

नई एमजी हेक्टर हॉक थ्री-रो एसयूवी का टीजर जारी

नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 अगस्त । अपनी नई एमजी हेक्टर हॉक थ्री-रो एसयूवी का टीजर जेएसडब्ल्यू-एमजी मोटर इंडिया ने जारी कर दिया है। हेक्टर हॉक को वूलिंग स्टारलाइट 560 एसयूवी पर आधारित बताया जा रहा है, और टीजर तस्वीरों से इसके आधुनिक डिजाइन और प्रीमियम फीचर्स की झलक मिलती है। बाहरी डिजाइन की बात करें तो, हेक्टर हॉक में स्प्लिट डीआरएल सेटअप, क्रोम इंसर्ट वाली ब्लैक ग्रिल, एमजी लोगो, एलईडी हेडलैंप और एक स्कल्प्टेड बोनट दिया गया है। इसमें कॉन्ट्रास्ट कलर की स्किड प्लेट, बड़े ड्यूल-टोन अलॉय व्हील, बॉडी कलर ओआरवीएम और रैप-अराउंड एलईडी टेललैंप्स भी मिलेंगे। प्रीमियम लुक को बढ़ाने के लिए इसमें इंटीग्रेटेड स्पॉइलर, रियर वाइपर और वॉशर, ब्रश्ड एल्युमिनियम फिनिश वाली विंडो लाइन, ब्लैक रूफ, शार्क-फिन एंटेना और ब्लैक पिलर्स दिए गए हैं। केबिन के अंदर, प्रीमियम बेज कलर थीम के साथ तीनों रो के लिए एडजस्टेबल हेडरेस्ट, 2-स्पोक मल्टीफंक्शन स्टीयरिंग व्हील, एक बड़ा फ्री-स्टैंडिंग टचस्क्रीन और फुली डिजिटल कलर इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर मिलेगा। यह एसयूवी एमजी के नए एडीपीटी प्लेटफॉर्म पर आधारित है।

माना जा रहा है कि इसका इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) वर्जन भारत में पहले आएगा, जिसमें 56.7केडब्ल्यूएच बैटरी के साथ करीब 530 किलोमीटर की रेंज मिल सकती है। बाद में प्लग-इन हाइब्रिड (पीएचईवी) वर्जन भी लाया जा सकता है। कंपनी इसे भारत में 26 अगस्त, 2026 को लॉन्च करेगी, और इसकी बुकिंग 21 हजार रुपये के टोकन अमाउंट के साथ शुरू हो चुकी है।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

शादी का झांसा देकर दृष्टिबाधित युवती से दुष्कर्म

गुरुग्राम, यूटर्न/ 19 अगस्त । पटौदी थाना के एक गांव में दृष्टिबाधित युवती से शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी ने उसका डेबिट कार्ड चुराकर खाते से 1.50 लाख रुपये भी निकाल लिए। पीड़िता रेवाड़ी में सरकारी विभाग में कार्यरत है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी युवक ने उसके देख न पाने का फायदा उठाकर पहले दोस्ती की और फिर होटल ले जाकर दुष्कर्म किया। पीड़िता की शिकायत पर आरोपी रामनिवास के खिलाफ पटौदी थाने में संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पीड़ित युवती ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 3 मई को वह अपने ऑफिस के काम से दिल्ली गई हुई थी। रात करीब 8.30 बजे जब वह वापस पटौदी पहुंची और अपने गांव जाने के लिए सवारी का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान आरोपी रामनिवास उर्फ सोनू निवासी जनौला गांव (पटौदी) अपनी गाड़ी लेकर आया। उसने युवती को देख न पाने की स्थिति में मदद की पेशकश की और खुद को अस्पताल का कर्मचारी बताकर गांव छोड़ने की बात कही। रास्ते में आरोपी युवक ने पीड़िता से जान-पहचान बढ़ाई व मोबाइल नंबर भी ले लिया। आरोप है कि आरोपी युवक ने 10 मई को पीड़िता को कॉल करके मिलने की बात कही और एक रेस्तरां में लेकर गया। आरोपी ने पीड़िता को पत्नी से तलाक होने के बारे में बताया और सहानुभूति हासिल करके उससे दोस्ती कर ली। 25 मई को आरोपी पीड़िता को खाना खिलाने के बहाने पटौदी स्थित एक होटल में लेकर गया। कमरे में ले जाकर आरोपी ने पीड़िता के विरोध के बावजूद जबरन शारीरिक संबंध बनाए।

हिस्ट्रीशीटर को गोली मारने वाले दो वांछित मुठभेड़ में गिरफ्तार

» गाजियाबाद, यूटर्न/ 19 अगस्त

विजयनगर क्षेत्र की माता कॉलोनी में रविवार रात हिस्ट्रीशीटर आकाश बिहारी को गोली मारकर घायल करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने सोमवार देर रात मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ में एक आरोपी पैर में गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने मौके से बाइक और दो तमंचे भी बरामद किए हैं। कार्यवाहक एसीपी कोतवाली जियाउद्दीन अहमद ने बताया कि विजयनगर क्षेत्र में रविवार रात शराब पीने के दौरान आकाश बिहारी पर अमन और उसके साथियों ने फायरिंग कर उसे घायल कर दिया था। इस मामले में विजयनगर थाने में मुकदमा दर्ज कर पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही थी।

सोमवार रात पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी सीएचएसपी स्कूल के पास दिखाई दिए। चेकिंग के दौरान बाइक सवार दो संदिग्धों को रुकने का इशारा किया गया। पुलिस को देखकर दोनों भागने लगे। पीछा करने पर बाइक सवारों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में एक आरोपी पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जिसे मौके से पकड़ लिया गया। दूसरे आरोपी को भी पुलिस ने दबोच लिया। घायल आरोपी की पहचान विजयनगर निवासी अमन उर्फ जव्वा के रूप में हुई है। दूसरे आरोपी का नाम अरुण बताया गया है। घायल का अस्पताल में उपचार चल रहा है। पूछताछ में दोनों ने आकाश पर हमला करना कबूल किया है।

आकाश के पिता अशोक ने अमन उर्फ जव्वा, सुमित दुजाना, अरुण, शिवा वेद, अजय उर्फ भूरी, प्रवीण गहलोत, मोहित बैसला और अन्य अज्ञात के खिलाफ विजयनगर थाने में नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

आपराधिक इतिहास

डीसीपी धवल जायसवाल के अनुसार घायल आकाश बिहारी के खिलाफ विजयनगर थाने में 11 गंभीर मुकदमे दर्ज हैं। इनमें जानलेवा हमला, हत्या, मारपीट और धमकी के मामले शामिल हैं। जुलाई 2020 में पत्रकार विक्रम जोशी हत्याकांड में भी आकाश का नाम आया था। उस समय पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। आरोपी अमन उर्फ जव्वा के खिलाफ भी मारपीट के तीन मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें गठित की थीं। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

डिलीवरी बॉय से मारपीट कर लूटपाट का आरोप, पुलिस ने बताया मामला संदिग्ध

गाजियाबाद, यूटर्न/ 19 अगस्त । क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र में सोमवार देर रात डिलीवरी करने गए युवक ने छह बदमाशों पर मारपीट कर एक हजार रुपये, मोबाइल और बाइक लूटने का आरोप लगाया है। पीड़ित के अनुसार बदमाशों ने शोर मचाने पर जान से मारने की धमकी दी और दो बाइक पर सवार होकर फरार हो गए। मंगलवार सुबह पीड़ित ने क्रॉसिंग रिपब्लिक थाने में तहरीर दी। हालांकि, पुलिस ने मामले को प्रथमदृष्टया संदिग्ध बताया है। विजयनगर की चरन सिंह कॉलोनी निवासी सत्येंद्र कुमार ने बताया कि वह डिलीवरी बॉय हैं। सोमवार रात करीब दो बजे वह ऑर्डर लेकर क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र के बागू पहुंचे थे। वहां वह ग्राहक के आने का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान दो बाइक पर सवार छह नकाबपोश युवक वहां पहुंचे और पीटने लगे। सत्येंद्र का आरोप है कि बदमाशों ने जान से मारने का डर दिखाकर उनकी जेब से एक हजार रुपये निकाल लिए। इसके बाद मोबाइल और बाइक भी छीन ली। शोर मचाने पर जान से मारने की धमकी देते हुए आरोपी फरार हो गए। उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद मंगलवार सुबह उन्होंने थाने में लिखित शिकायत दी।

साइकिल से टकराने पर विवाद मजदूर की ईंट से कूचकर हत्या

लोनी, यूटर्न/ 19 अगस्त । ट्रोनिका सिटी थानाक्षेत्र की राहुल एन्क्लेव फेस-दो स्थित कासिम विहार कॉलोनी में साइकिल टकराने को लेकर हुए विवाद में एक मजदूर की ईंट से कूचकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान मूलरूप से बदायूं के फैजगंज बेहटा थाना क्षेत्र के गांव भोजपुर निवासी शमशाद (30) के रूप में हुई है। पुलिस ने मृतक के पिता की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर मंगलवार को आरोपी नाजिम को गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल ईंट भी बरामद कर ली गई है। सत्तार परिवार के साथ राहुल एन्क्लेव कॉलोनी में रहते हैं। उनका बेटा शमशाद पत्नी साईदा और सात वर्षीय बेटे रिहान के साथ रहता था और मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता था। सत्तार ने पुलिस को बताया कि सोमवार सुबह शमशाद मजदूरी करने के लिए घर से निकला था। काम नहीं मिलने पर वह पैदल ही घर लौट रहा था।

इसी दौरान कॉलोनी में घर के पास शमशाद की साइकिल सवार नाजिम से टक्कर हो गई। इसे लेकर दोनों के बीच कहासुनी और गालीगलौज हो गई। आरोप है कि गुस्साए नाजिम ने सड़क से ईंट उठाकर शमशाद के सिर पर कई वार कर दिए। गंभीर रूप से घायल शमशाद को शोर सुनकर पहुंचे उसके भाई ने अस्पताल में भर्ती कराया।

रिश्ते शर्मसार: पिता की मौत पर अपनों ने मुंह मोड़ा

अंतिम संस्कार में आने की बात पर बेटा और पत्नी बोले- व्यस्त हैं

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 अगस्त ।

खत्म होती जा रहीं मावनीय संवेदनाओं का एक और बड़ा मामला कालकाजी थाना क्षेत्र में सामने आया है। यहां पर 70 वर्षीय पूर्व नेवी अफसर का शव कूड़े के ढ़ेर के पास मिला। पुलिस व मृतक के रिश्तेदारों ने अमेरिका में रह रहे उनके बेटे व पत्नी को फोन कर इसकी जानकारी दी और अंतिम संस्कार के लिए भारत आने की गुजारिश भी की है। लेकिन सब तब हैरान हो गए, जब बेटे के साथ मृतक की पत्नी का जवाब मिला कि वह अपने काम में व्यस्त हैं। वह अभी भारत नहीं आ सकते। इसके लिए अमेरिका से अपने अधिकृत मेल से बाकायदा दिल्ली पुलिस से कहा कि उसके चाचा उसके पिता का अंतिम संस्कार कर देंगे।

दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अरविंद नाथ पाठक (70) नेवी में डाक्टर थे। वह मेन कालकाजी के एन ब्लॉक में रहते थे। यहां पर उन्होंने क्लीनिक भी खोला था। उनका बेटा प्रशांत नाथ पाठक अपनी मां के साथ अमेरिका में रहता है। मृतक के भाई महेंद्रनाथ ने 12 अगस्त को शिकायत दी थी कि उनके भाई अरविंद नाथ पाठक यहां अकेले रहते थे और वह घर से गायब हैं।

कालकाजी थानाध्यक्ष अजय कुमार की टीम ने तुरंत गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्जकर बुजुर्ग की तलाश शुरू की। अगले दिन शाम को बुजुर्ग ब्लॉक में कूड़े के खत्ते के पास बेहोशी की हालात में मिले। पुलिस ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जिला पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मृतक के भाई महेंद्र नाथ से बातचीत कर पुलिस ने अमेरिका में रह रहे बेटे और पत्नी को इसकी जानकारी दी। इस पर बेटे और पत्नी ने कहा कि वह अपने काम में व्यस्त हैं। वह भारत नहीं आ सकते हैं। इसके बाद बेटे ने पुलिस को मेल कर एक अधिकृत पत्र भेजा। इस पत्र में बेटे ने पुलिस को बताया कि वह अपने चाचा प्रशांत नाथ पाठक को पिता के अंतिम संस्कार व अन्य रीतियों के लिए अधिकृत करता है।

पुलिस को मेल मिलने के बाद कालकाजी थाना पुलिस ने मृतक अरविंद नाथ पाठक के शव का पोस्टमार्टम कराया। इसके बाद पुलिस ने शव मृतक के भाई व बहन को सौंप दिया। इन लोगों ने रीति-रिवाज से बुजुर्ग के शव का अंतिम संस्कार करा दिया था। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, अरविंद नाथ काफी समय से अकेले रह रहे थे और शुगर समेत कई बीमारियों से पीड़ि थे।

मल्टीनेशनल कंपनियों में निवेश के नाम पर 11 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप

गाजियाबाद, यूटर्न/ 19 अगस्त । राजनगर एक्सटेंशन स्थित वीवीआईपी एड्रेसेस सोसायटी में रहने वाले संदीप गोयल से मल्टीनेशनल कंपनियों और अलग-अलग कारोबार में निवेश के नाम पर 10-11 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोप है कि 40 से 50 प्रतिशत तक मुनाफे का झांसा देकर चार आरोपियों ने करीब चार वर्षों तक उनसे रकम निवेश कराई। रुपये वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़ित की तहरीर पर नंदग्राम थाना पुलिस ने दो महिलाओं समेत चार आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसीपी नंदग्राम जियाउद्दीन अहमद ने बताया कि संदीप गोयल के मुताबिक नोएडा सेक्टर-22 निवासी रवि राणा ने उनकी मुलाकात कुछ बड़े व्यापारियों से कराई थी। इन लोगों ने व्यापार में निवेश करने पर अच्छे मुनाफे का भरोसा दिया। शुरूआत में 10-20 लाख रुपये का लेनदेन समय पर किया गया, जिससे पीड़ित को आरोपियों पर भरोसा हो गया।

इसके बाद रवि राणा ने संदीप की मुलाकात हरियाणा के सोनीपत स्थित सनशाइन काउंटी निवासी रेनू चौहान से कराई। रेनू ने खुद को एमवे कंपनी में कार्यरत बताया। आरोप है कि उसने ओक्टा फॉरेक्स और मल्टी लेवल मार्केटिंग समेत विभिन्न कारोबार में निवेश कराने के लिए 40-50 प्रतिशत तक मुनाफे का लालच दिया। पीड़ित के मुताबिक, जुलाई 2023 में उन्हें दुबई भी ले जाया गया। वहां बड़े कारोबार और भारी मुनाफे के सपने दिखाकर उन्हें निवेश के लिए तैयार किया गया। अगस्त 2023 में संदीप ने एक साथ तीन करोड़ रुपये निवेश किए। इसके बाद अलग-अलग समय में उनसे रकम ली गई और कुल निवेश 10-11 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

हेड कांस्टेबल पर महिला सिपाही को आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज

» साहिबाबाद, यूटर्न/ 19 अगस्त।

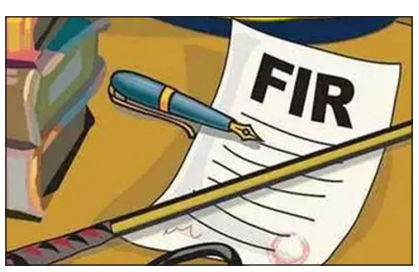

राजेंद्र नगर स्थित एक निजी होटल में रविवार को दिल्ली पुलिस की महिला हेड कांस्टेबल के आत्महत्या के मामले में मंगलवार को उसके साथी हेड कांस्टेबल पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है।

हेड कांस्टेबल पर मृतका के पिता ने आत्महत्या के लिए उकसाने और शादी का झांसा देकर संबंध बनाने का आरोप लगाया है। आरोप यह भी है कि आरोपी कांस्टेबल लंबे समय से उनकी बेटी को परेशान कर रहा था। वहीं, पुलिस आरोपी से पूछताछ करेगी, उसके बाद ही आगे की कार्रवाई करेगी। मसूरी थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती के पिता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी बेटी दिल्ली के एक थाने में तैनात थीं। वह कुछ समय से परेशान दिख रही थीं। 14 अगस्त को बेटी ने अपनी मां को बताया था कि थाने का हेड कांस्टेबल लोनी निवासी सचिन कुमार उसे काफी परेशान कर रहा है।

16 अगस्त को बेटी का फोन नहीं लगा, इससे उनको घबराहट हुई। बाद में उन्हें राजेंद्र नगर पुलिस चौकी से सूचना मिली कि बेटी होटल में मृत पाई गई थीं।

पिता ने लगाए कांस्टेबल पर गंभीर आरोप : पिता ने आरोप लगाया कि सचिन कुमार ने खुद को अविवाहित बताकर उनकी बेटी को प्रेमजाल में फंसाया। सचिन ने बेटी का शारीरिक और मानसिक शोषण किया। पिता का आरोप है कि सचिन कुमार ही उनकी बेटी की मौत का मुख्य कारण है। उन्होंने सचिन के खिलाफ कठोर पुलिस कार्रवाई की मांग की है।

खीर में नशीला पदार्थ खिलाकर किया बेहोश, किरायेदार पर चोरी का आरोप

साहिबाबाद, यूटर्न/ 19 अगस्त । साहिबाबाद थानाक्षेत्र की नीलमणि कॉलोनी हज हाउस इलाके में एक किराएदार महिला पर मकान मालिक के परिवार को खीर में नशीला पदार्थ खिलाकर बेहोश करने और घर से सात लाख की चोरी का आरोप है। नशीला पदार्थ के सेवन करने से मकान मालिक का 11 साल का बेटा गंभीर रूप से बीमार हो गया और अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। वहीं, पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। नीलमणि कॉलोनी हज हाउस निवासी पीड़ित दिलदार ने बताया कि उनके घर में किराए पर रहने वाले सलीम की बेटी आयशा उनके घर खीर लेकर आई। आरोप है कि आयशा ने कहा कि उसने मेहमानों के लिए खीर बनाई है। उन्होंने दिलदार के परिवार के लिए भी लाई है। आरोप है कि आयशा ने जान से मारने की नीयत से दिलदार, उनकी पत्नी प्रवीण और पुत्र मुदस्सिर को खीर खिला दी। इसमें उसने पहले से ही नशीला पदार्थ मिला रखा था और खीर से पूरा परिवार नशे में बेहोश हो गए। मौका पाकर आयशा ने अपने साथी अनस, खलील, निशा पत्नी अनीश और मुस्कान को बुलाकर घर सात लाख रुपये निकालकर ले गए। दिलदार ने बताया कि सुबह होश आने पर देखा तो अलमारी से सारे रुपये गायब थे। बेटे मुदस्सिर को एमएमजी अस्पताल में भर्ती कराया और वहां से निजी अस्पताल ले जाना पड़ा। हालत अब भी गंभीर बताई जा रही है। एसीपी साहिबाबाद अमित सक्सेना ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

40 की उम्र में आना बहुत अजीब है प्रियंका चोपड़ा

अंतरराष्ट्रीय एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने 40 की उम्र पार कर ली है। इस मौके पर उन्होंने एक मजेदार पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने बताया कि 40 के बाद भी लाइफ फुल ऑन मस्ती से भरी होती है। प्रियंका चोपडा ने अपनी पोस्ट में बताया कि 40 की उम्र के लोग कुछ जवां, तो कुछ की मांसपेशियां खींच जाती हैं। कोई इस उम्र में दादी बन जाता है, कोई नया बच्चा पैदा करता है, कोई 20 साल की शादी की सालगिरह मनाता है और कोई यंग लड़के-लड़की को डेट करता है। प्रियंका चोपड़ा द्वारा शेयर किए गए नोट में लिखा, 40 की उम्र में आना बहुत अजीब है, एक दोस्त दादी बन गई है, एक का अभी-अभी बच्चा हुआ है, एक अपनी शादी की 20वीं सालगिरह मना रही है और एक 25 साल के लड़के को डेट कर रही है। हममें से आधे लोग 28 के लगते हैं और आधे लोग सोते-सोते ही मांसपेशी खींच लेते हैं। कोई टाइमलाइन नहीं है, बस वाइब्स हैं। प्रियंका चोपड़ा की बात करें तो वे निर्देशक एस.एस. राजामौली की अपकमिंग पैन इंडिया फिल्म वाराणसी से तमिल सिनेमा में डेब्यू करने जा रही हैं। यह फिल्म भारतीय के जरिए वे भारतीय सिनेमा में वापसी भी कर रही हैं। एक्शन-एडवेंचर फिल्म वाराणसी में प्रियंका मंदाकिनी नाम की एक मुख्य भूमिका निभा रही हैं और उनके साथ सुपरस्टार महेश बाबू भी मुख्य किरदार (रुद्र) में हैं। पृथ्वीराज सुकुमारन भी फिल्म में कुंभा नाम के व्यक्ति का अहम रोल निभाते नजर आएंगे। कहानी वाराणसी शहर और एक संकट के इर्द-गिर्द घूमती है।

ब्रेस्ट कैंसर ने बदली पंकज भदौरिया की जिंदगी, बोलीं- 'अब हर दिन आभार और खुशी से जीना चुनती हूं'

मास्टरशेफ इंडिया की पहली विजेता और मशहूर सेलिब्रिटी शेफ पंकज भदौरिया इन दिनों जिंदगी के एक मुश्किल दौर से गुजर रही हैं। कुछ समय पहले उन्होंने खुद बताया था कि उन्हें ब्रेस्ट कैंसर है। इस खबर के सामने आने के बाद उनके चाहने वालों ने उनके जल्द ठीक होने की दुआ की थी। अब पंकज ने सोशल मीडिया पर एक नई पोस्ट शेयर कर अपनी सेहत और इस पूरे सफर के बारे में बात की। साथ ही उन्होंने महिलाओं से चेकअप को नजरअंदाज न करने की अपील भी की। पंकज ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर पोस्ट की है। इस तस्वीर के ऊपर लिखा है, ''कैंसर ने मेरे शरीर की परीक्षा ली, लेकिन यह मेरी हिम्मत नहीं तोड़ सका। अब मैं मकसद के साथ जीती हूं।'' तस्वीर के साथ पंकज ने कैप्शन में लिखा, ''कैंसर मेरी कहानी का एक चैप्टर बन गया है, लेकिन यह मेरी पूरी कहानी कभी नहीं होगा। इस सफर ने मेरे शरीर को परखा, लेकिन साथ ही मुझे मजबूत भी किया और जिंदगी का एक नया मकसद भी दिया।'' पंकज ने आगे लिखा, ''जैसे-जैसे मैं ठीक होने की ओर बढ़ रही हूं, मैं हर दिन को ज्यादा आभार, हिम्मत और खुशी के साथ जीना चाहती हूं।'' अपनी पोस्ट में पंकज ने महिलाओं से खास अपील भी की। पंकज ने महिलाओं से कहा कि वे नियमित तौर पर अपना चेकअप कराती रहें। बीमारी का जल्दी पता चल जाना बहुत बड़ा फर्क पैदा कर सकता है। बता दें कि कुछ समय पहले पंकज ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो और अस्पताल से तस्वीर शेयर करते हुए बताया था कि उन्हें ब्रेस्ट कैंसर है। उनके कई मेडिकल टेस्ट हो चुके हैं और इस मुश्किल समय में उन्हें लोगों के प्यार और दुआओं की जरूरत है।

फॉमूर्ला ई भारत में वापसी को उत्सुक, शहरों को इच्छाशक्ति दिखानी होगी : अल्बर्टो लोंगो

» मुम्बई, यूटर्न/ 19 अगस्त ।

भारत में एक बार फिर रेसिंग के शौकीनों को फॉमूर्ला ई के मुकाबले देखने को मिल सकते हैं। फॉमूर्ला ई के सह-संस्थापक अल्बर्टो लोंगो ने कहा है कि ऑल-इलेक्ट्रिक विश्व चैंपियनशिप भारत में आयोजित की जा सकती है पर इसके लिए किसी भारतीय शहर को मेजबानी के लिए दावेदारी करनी होगी। गौरतलब है कि फॉमूर्ला ई रेस की हैदराबाद ई-प्री के साथ भारत में शुरूआत हुई थी पर तेलंगाना में सरकार बदलने के साथ ही इसे दी गयी इजाजत रद्द कर दी गयी थी। लोंगो ने जोर दिया कि फॉमूर्ला ई अब भी भारत में काफी संभावनां देखती है और अवसरों की तलाश में है। गौरतब है कि भारत ने हैदराबाद में ई-प्री के साथ फॉमूर्ला ई के वैश्विक कैलेंडर पर अपनी शुरूआत की थी, जिसने देश में मोटरस्पोर्ट्स के एक नए युग की शुरूआत हुई थी। यह रेस वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती पहचान और इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का प्रतीक थी। हालांकि, तेलंगाना में सरकार में आये बदलाव के बाद इस रेस को भी बंद कर दिया गया था। वहीं लोंगो ने इस स्थिति पर अपनी निराशा व्यक्त की, लेकिन भारत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा, हम भारत वापस पहुंचना चाहेंगे, लेकिन दुर्भाग्य से अभी इसको लेकर हमारी कोई बातचीत नहीं चल रही है। फॉमूर्ला ई के लिए यह इतना महत्वपूर्ण बाजार है कि हम निश्चित रूप से वहां वापस जाना चाहेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि वापसी के लिए फॉमूर्ला ई प्रतियोगिता की मेजबानी करने की इच्छाशक्ति होनी चाहिए। यह स्पष्ट संकेत है कि चैंपियनशिप सक्रिय रूप से भारत में एक नए मेजबान की तलाश में है जो आवश्यक समर्थन और बुनियादी ढांचा प्रदान कर सके।

हरभजन से प्रेरित होकर ऑफ स्पिनर बना : अश्विन

» चेन्नई, यूटर्न/ 19 अगस्त ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन का कहना है कि वह शुरूआत में बल्लेबाजी करते थे पर दिग्गज ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह से प्रेरित होकर स्पिन गेंदबाजी करने लगे।

अश्विन के अनुसार वह हरभजन के इतने बड़े प्रशंसक थे कि उनके एक्शन की भी नकल करते थे। अश्विन ने कहा कि वह जूनियर क्रिकेट में खेलते समय पारी की शुरूआत करते थे पर जब साल 2001 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में उन्होंने हरभजन सिंह की गेंदबाजी देखी तो वह इतने प्रभावित हुए कि स्पिनर बन गये। हरभजन ने उस सीरीज में अविश्वसनीय गेंदबाजी करते हुए टीम इंडिया को ऐतिहासिक जीत दिलाई थी, और यहीं से अश्विन के मन में ऑफ-स्पिनर बनने का जुनून पैदा हुआ। उस समय हरभजन की फिरकी से ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों सहम गये थे। अश्विन ने कहा हक वह शुरूआती दिनों में दिनेश कार्तिक की कप्तानी में अंडर-19 क्रिकेट में खेलते थे। उस समय वह बल्लेबाजी पर ज्यादा ध्यान देते थे और कम गेंदबाजी करते थे पर जब भी मैं गेंदबाजी करते तो हरभजन की तरह ही करने का प्रयास करते। इसका कारण उनका प्रशंसक होना था। उन्होंने यह भी कहा कि वे हरभजन की स्टंप्स के ऊपर से गेंदबाजी करते हुए रिकी पोंटिंग और मैथ्यू हेडन को आउट करने की रणनीति से बेहद प्रभावित थे। हालांकि, ऑफ स्पिनर बनने की उनकी कोई पूर्व योजना नहीं थी। अश्विन के मन में हमेशा एक बल्लेबाज के तौर पर करियर बनाने की इच्छा थी।

उन्होंने स्वीकार किया, मेरे मन में हमेशा बल्लेबाजी ही थी। लेकिन हरभजन सिंह की गेंदबाजी में कुछ खास बात थी, उनका व्यक्तित्व, हर किसी का डटकर सामना करने और चुनौती स्वीकार करने की उनकी क्षमता उन्हें प्रेरित करती थी।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

एआई का बढ़ता प्रभावः बेरोजगार हो रहे युवा अनुभव को प्राथमिकता

» सोल, यूटर्न/ 19 अगस्त ।

सेंट्रल बैंक की हालिया रिपोर्ट ने खुलासा किया है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का तेजी से बढ़ता उपयोग वैश्विक रोजगार बाजार में, विशेषकर युवाओं के लिए, बड़ा बदलाव ला रहा है। जनरेटिव एआई तकनीकों, जैसे चैटजीपीटी, के आगमन के बाद से एआई से अधिक प्रभावित क्षेत्रों में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं के रोजगार में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। बैंक ऑफ कोरिया (बीओके) द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, जून 2022 से जून 2026 के बीच इस आयु वर्ग के कुल 2.85 लाख रोजगार कम हुए हैं। इनमें से 2.68 लाख

नौकरियां, यानी लगभग 94 प्रतिशत, सीधे तौर पर एआई-संवेदनशील क्षेत्रों से संबंधित थीं। इनमें आईटी सेवाएं, प्रकाशन (सॉफ्टवेयर और वेब डिजाइन सहित), कंप्यूटर प्रोग्रामिंग और प्रोफेशनल सर्विसेज जैसे क्षेत्र प्रमुख हैं। क्षेत्रवार आंकड़ों पर गौर करें तो, आईटी सेवाओं में युवाओं का रोजगार 31.4 प्रतिशत, प्रकाशन क्षेत्र में 27.4 प्रतिशत, कंप्यूटर प्रोग्रामिंग में 16.6 प्रतिशत और प्रोफेशनल सर्विसेज में 11.6 प्रतिशत घटा है। ये वे क्षेत्र हैं जहां एआई-आधारित ऑटोमेशन और कंटेंट जनरेशन टूल्स का उपयोग तेजी से बढ़ा है। इसके विपरीत, 50 वर्ष या उससे अधिक आयु वर्ग के रोजगार में इसी अवधि में 2.30 लाख की बढ़ोतरी हुई, जिसमें से 1.73 लाख नौकरियां एआई-प्रभावित क्षेत्रों में ही बढ़ीं।

यह रुझान संकेत देता है कि एआई के युग में अनुभव और विशेषज्ञता वाले कर्मचारियों की मांग अपेक्षाकृत मजबूत बनी हुई है। यह अध्ययन 2022 को आधार वर्ष मानता है, क्योंकि इसी वर्ष के अंत में चैटजीपीटी लॉन्च हुआ था, जिसके बाद जनरेटिव एआई का उपयोग दुनिया भर में तेजी से बढ़ा। शिक्षा के आधार पर बेरोजगारी के आंकड़े भी युवाओं की चुनौतियों को उजागर करते हैं।

ईरान की शर्तों को नहीं मान रहा अमेरिका
कड़ा रुख किया अख्तियार

» वॉशिंगटन, यूटर्न/ 19 अगस्त

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ संभावित समझौते को लेकर कड़ा रुख अख्तियार किया है, यह कहते हुए कि तेहरान डील तो चाहता है, लेकिन वह वैसी शर्तों को मानने को तैयार नहीं है जिसे ट्रंप जरूरी मानते हैं। दोनों पक्षों के बीच बातचीत का 60 दिन का समय पूरा होने के बाद ट्रंप ने सोमवार (स्थानीय समय के अनुसार) को यह बात कही। उन्होंने ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के अपने इरादे को दोहराया और होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिका के पूरे नियंत्रण का दावा किया। हालांकि, ईरान ने ट्रंप के इस दावे को तुरंत खारिज कर दिया कि दोनों देशों के बीच कोई बैकचैनल बातचीत हुई है।

व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, वे डील करना चाहते हैं, लेकिन वे वैसी डील नहीं करेंगे, जैसी मुझे जरूरी लगती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वॉशिंगटन का मकसद ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना है। ट्रंप ने कहा, आप समझते हैं कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकते और उनके पास परमाणु हथियार नहीं होंगे। यह बहुत आसान है। वे परमाणु युद्ध नहीं कर सकते। ट्रंप ने आगे दावा किया कि सभी ईरानी बंदरगाहों के खिलाफ नौसैनिक घेराबंदी के जरिए होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिका का पूरा नियंत्रण है। उन्होंने कहा, हम नाकेबंदी के जरिए इस जलडमरूमध्य को कंट्रोल करते हैं। मुझे इसे अपना इलाका घोषित करने का विचार पसंद है।

अमेरिका में पिछले साल 189 सिख विरोधी और 32 हिंदू विरोधी हेट क्राइम के मामले दर्ज

» वाशिंगटन, यूटर्न/ 19 अगस्त

अमेरिका की कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने 2025 में सिखों विरोधी हेट क्राइम के 189 और हिंदू विरोधी हेट क्राइम के 32 मामले दर्ज किए। अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। बताया गया कि ये आंकड़े एफबीआई के 'देश में दर्ज अपराध' संबंधी आंकड़ों से निकाले गए हैं। एफबीआई की वार्षिक रिपोर्ट में धार्मिक, नस्लीय, जातीय और अन्य प्रकार के पूर्वाग्रहों से प्रेरित घृणा अपराधों का विस्तृत विवरण दिया गया है। कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने वर्ष के दौरान एकल-भेदभावपूर्ण धार्मिक घृणा अपराधों के 2,703 मामले दर्ज किए। इनमें से 7 प्रतिशत अपराध सिख-विरोधी पूर्वाग्रह से संबंधित थे, जो लगभग 189 मामलों के बराबर है। हिंदू-विरोधी पूर्वाग्रह के कारण 1.2 प्रतिशत, यानी लगभग 32 अपराध हुए। धार्मिक घृणा अपराधों में यहूदी-विरोधी पूर्वाग्रह का हिस्सा 62.3 प्रतिशत था, जो सबसे बड़ा हिस्सा है। इस्लाम-विरोधी या मुस्लिम-विरोधी पूर्वाग्रह का हिस्सा 9.6 प्रतिशत था ।

डीआरसी में लगातार बढ़ रहा इबोला प्रकोप
पीड़ितों की संख्या 5,000 के पार

» किंशासा, यूटर्न/ 19 अगस्त

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा है कि डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में इबोला का प्रकोप अभी भी अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल (पीएचईआईसी) बना हुआ है, क्योंकि इस महामारी पीड़ितों की संख्या 5,000 से ज्यादा हो गई है, नए इलाकों में पैर पसार रहा है और अधिकारियों को प्रायोगिक वैक्सीन और इलाज अपनाने के लिए मजबूर कर रही है।

डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयेसस ने एक आपातकालीन समिति की बैठक में कहा कि यह प्रकोप अब तक का दूसरा सबसे बड़ा इबोला प्रकोप है और यह पहले के सभी प्रकोपों की तुलना में तेजी से फैल रहा है।

डब्ल्यूएचओ के ताजा आंकड़ों के अनुसार, रविवार तक छह प्रांतों के 55 हेल्थ जोन में 5,021 लोगों के इबोला होने की पुष्टि हुई और 2,378

की मौत हो गई। यहां मृत्यु दर 47.4 प्रतिशत रहा। बंडिबुग्यो इबोला वायरस के कारण फैली यह महामारी पूर्वी डीआरसी में 2018-2020 के इबोला प्रकोप से भी आगे निकल गई है, जो पहले देश का सबसे घातक प्रकोप था। अफ्रीका सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (अफ्रीका सीडीसी) ने सोमवार को कहा कि मौजूदा प्रकोप में हर 30 मिनट में लगभग एक व्यक्ति की मौत हो रही है और अगर इसके फैलने की रफ्तार को तुरंत नहीं रोका गया, तो इसके दुनिया भर में अब तक का सबसे घातक इबोला प्रकोप बनने का खतरा है। टेड्रोस ने कहा, ह्लहमें साफ तौर पर कहना होगाः महामारी हमारे नियंत्रण से अभी बहुत दूर है। इसे बहुत बढ़त मिल गई थी, और हम अभी भी इसके पीछे भाग रहे हैं ह्ल

सिंहुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, डब्ल्यूएचओ की एक स्टेट्स रिपोर्ट में बताया गया है कि रिपोर्टिंग के पहले 95 दिनों के दौरान, सात-दिन का मूविंग एवरेज बढ़कर प्रति दिन 90 से ज्यादा हो गया है, जो 2014-2016 की पश्चिम अफ्रीका महामारी और DRC के 2018-2020 के प्रकोप के इसी चरण की तुलना में काफी ज्यादा है।

नाजी सेना की मोटरसाइकिल और बारूद का जखीरा बरामद

बुडापेस्ट, यूटर्न/ 19 अगस्त । हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में यूरोप की प्रसिद्ध डेन्यूब नदी का जलस्तर कम होने के साथ ही द्वितीय विश्व युद्ध से जुड़े एक बड़े रहस्य का पदार्फाश हुआ है। हिटलर की नाजी सेना से संबंधित एक पूरी मोटरसाइकिल और बारूद का खतरनाक जखीरा नदी के तल से बरामद किया गया है। दशकों तक कीचड़ में दबी यह वेहरमाख्ट की डीकेडब्ल्यू एनजेड 350-1 मॉडल की मोटरसाइकिल लगभग पूरी तरह सुरक्षित अवस्था में मिली है। यह असाधारण खोज बुडापेस्ट के संसद भवन के पास डेन्यूब नदी के तल में हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय मिलिट्री हिस्ट्री इंस्टीट्यूट ने इस खोज को सौ साल में एक बार होने वाली घटना बताया है। नदी की मिट्टी ने इसे प्राकृतिक रूप से संरक्षित रखा है। यह विशेष युद्धकालीन मोटरसाइकिल 1944 से निर्मित की जा रही थी और 1945 में द्वितीय विश्व युद्ध समाप्त होने तक इसकी लगभग 12,000 यूनिट्स तैयार की गई थीं। इससे पहले वाले मॉडल डीकेडब्ल्यू एनजेड 350 की शीर्ष गति 105 किलोमीटर प्रति घंटा तक बताई जाती है। इस मोटरसाइकिल का निर्माण ऑटो यूनियन एजी ने किया था, जो 1932 में ऑडी सहित कई कंपनियों के विलय से बनी थी। एनजेड सीरीज के 250 और 350 मॉडल 1936 तक तैयार हो गए थे, लेकिन दूसरे मॉडल की अधिक बिक्री के चलते इनका बड़े पैमाने पर उत्पादन 1938 में शुरू हुआ।

नेपाल में भारत के पूर्व सैनिकों से संवाद करेंगे सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 19 अगस्त

भारत के थल सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ की नेपाल यात्रा का आज अंतिम दिन है। जनरल सेठ अपनी इस यात्रा में नेपाल के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से मुलाकात कर चुके हैं। यात्रा के अंतिम दिन वह नेपाल के पोखरा में आयोजित पूर्व सैनिक रैली में शामिल होने जा रहे हैं।

इस दौरान वे वीर नारियों और वीरता पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित करेंगे। जनरल धीरज सेठ यहां भारतीय सेना के पूर्व सैनिकों के साथ भी संवाद करेंगे। इसके बाद वे बुधवार को ही स्वदेश लौट आएंगे। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि भारत और नेपाल के बीच सदियों पुराना व ऐतिहासिक रोटी-बेटी का रिश्ता रहा है। जनकपुर-अयोध्या व

लुम्बिनी-बोधगया का आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक जुड़ाव यहां के लोगों के रिश्तों को एक अलग गहराई प्रदान करता है। यह एक ऐसा संबंध है जिसकी दुनिया में कोई दूसरी मिसाल मिलना मुश्किल है। वहीं भारत व नेपाल की साझेदारी साझा लोकतांत्रिक मूल्यों पर भी आधारित है।

गौरतलब है कि थल सेना प्रमुख की यह नेपाल यात्रा 17 अगस्त को प्रारंभ हुई थी। उनकी इस यात्रा का उद्देश्य भारत व नेपाल के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत करना तथा दोनों देशों की सेनाओं के बीच आपसी संबंधों, सहयोग एवं समन्वय को सुदृढ़ करना था।

अमेरिका-दक्षिण कोरिया सैन्य अभ्यास छह दिन पहले खत्म, ट्रंप ने दिया था आदेश

» सोल, यूटर्न/ 19 अगस्त ।

कोरियाई महाद्वीप को लेकर अमेरिका के रवैए में जबरदस्त बदलाव आया है। नॉर्थ कोरिया से बातचीत की कोशिशों के बीच अमेरिका और दक्षिण कोरिया का वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास 'उल्ची फ्रीडम शील्ड' इस बार निर्धारित समय से छह दिन पहले समाप्त होगा। दक्षिण कोरिया ने बुधवार को कहा कि अमेरिका के अनुरोध पर अभ्यास अब 21 अगस्त को खत्म किया जाएगा।

यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन के साथ दोबारा बातचीत शुरू करने के

प्रयास कर रहे हैं।

ट्रंप ने हाल में अमेरिका-दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यासों पर सवाल उठाते हुए कहा था कि ये महंगे हैं और उत्तर कोरिया के साथ संबंध सुधारने की उनकी कोशिशों के लिहाज से जरूरी नहीं हैं। योनहाप ने बताया कि दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अनुसार, इस साल का अभ्यास करीब 11 दिनों के लिए निर्धारित था। इसमें दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी सैनिकों के साथ संयुक्त राष्ट्र कमान से जुड़े सैन्यकर्मी भी शामिल हुए।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619

* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *